मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

रेसीडेन्सी क्षेत्र, इंदौर

विज्ञापन क्रमांक 04/परीक्षा/2009/13.07.2009 **आयोग कार्यालय में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 13.08.2009**

एक- भारत के नागरिकों तथा भारत के संविधान के तहत मान्य अन्य श्रेणियों के आवेदकों से **योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग** के अंतर्गत **सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी,** राजपत्रित द्वितीय श्रेणी के अस्थायी पदों हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

स. क्र.	पद का नाम/ विभाग	कुल पद	रिक्तियों की वर्गवार संख्या				रिक्तियों में से वर्गवार महिलाओं के लिये आरक्षित पद				विकलांग	विकलांगता का प्रकार
			अना-रक्षित	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अना-रक्षित	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग		
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.	12.	13.
1.	सहायक संचालक/ जिला सांख्यिकी अधिकारी योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग	14	01	02	06	05	-	-	02	01	अनारक्षित- 01 अनु. जाति- 01 कुल पद - 02	अस्थि बाधित

टीप- (i) केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक ही आरक्षित पद के विरुद्ध विचारित किए जाएंगे।

(ii) किसी भी प्रवर्ग में महिलाओं के लिये आरक्षित पद उपयुक्त महिला अभ्यर्थी के अभाव में उसी प्रवर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के चयन द्वारा भरे जा सकेंगे।

दो- शासन द्वारा पदों की संख्या का पुनरीक्षण करने पर इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकेगा। उपर्युक्त सभी पद अस्थायी हैं।

तीन- चयनित आवेदकों की नियुक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जायेगी।

चार- पद का विवरण-

(अ) **पद का नाम-** सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी,

(ब) **विभाग का नाम-** योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग

(स) **श्रेणी-** राजपत्रित द्वितीय श्रेणी

(द) **वेतनमान-** रुपये 8000-275-13500/- तथा राज्य शासन द्वारा समय-समय पर प्रसारित आदेशों के अनुसार महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते देय होंगे।

(य) **पद के मुख्य कर्तव्य-** विभिन्न आधारभूत समंकों का संकलन, सर्वेक्षण, मूल्यांकन, विश्लेषण आदि के द्वारा समाजार्थिक स्थिति का स्पष्ट एवं वास्तविक चित्रांकन।

(इ) **अनिवार्य शैक्षणिक अर्हता-** किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र सांख्यिकी, गणित, वाणिज्य, समाजशास्त्र या कृषि अर्थशास्त्र में कम से कम अधिस्नातक (मास्टर्स डिग्री) उपाधि।

टीपः- आवेदक के पास उपर्युक्त अर्हताएं आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक होना चाहिए आवेदन करने की तिथि के बाद किसी दिनांक को उक्त अर्हताएं अर्जित करने वाले आवेदक विज्ञापित पदों के लिये विचारित होने की पात्रता नहीं रखेंगे।

पाँच- केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक ही आरक्षित पद के विरुद्ध विचारित किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक अपना वर्ग अनारक्षित लिखें।

छः- मध्यप्रदेश सिविल सेवाएं (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम, 1961 के अंतर्गत अनर्हता-

अ. कोई भी उम्मीदवार, जिसने विवाह के लिये नियत की गयी न्यूनतम आयु (पुरुष हेतु 21 वर्ष तथा महिला हेतु 18 वर्ष) से पूर्व विवाह कर लिया हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

ब. कोई भी उम्मीदवार जिसकी दो से अधिक जीवित संतान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हो, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।

परंतु कोई भी उम्मीदवार जिसकी पहले से एक जीवित संतान है तथा आगामी प्रसव 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हो, जिसमें दो या दो से अधिक संतान का जन्म होता है, किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये निरर्हित नहीं होगा।

सात- आयु सीमा- न्यूनतम 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो परंतु 30 वर्ष पूर्ण न की हो। मध्यप्रदेश के मूल निवासी आवेदकों हेतु सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी 3-5/2001/3/1, दिनांक 17.08.2004 एवं 05.10.2004 द्वारा अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष निर्धारित है। आयु संगणना तिथि 1.1.2010 होगी। आयुसीमा में दी गई अन्य छूटों के लिये परिशिष्ट-1 देखें।

मध्यप्रदेश शासन के स्थायी, अस्थायी वर्कचार्ज्ड या कांटिजेंसी पेड कर्मचारी तथा परियोजना कार्यान्वयन समितियों में नियोजित समस्त श्रेणी के कर्मचारी (महिला कर्मचारी भी) के लिए अधिकतम आयु सीमा 38 वर्ष निर्धारित है। सक्षम अधिकारी का प्रमाणपत्र संलग्न करें। ऐसे आवेदकों को परिशिष्ट-1 (एक) में अंकित किसी भी छूट का लाभ प्राप्त नहीं होगा परंतु परिशिष्ट-1 (दो) प्रोत्साहनस्वरूप दी गई छूटों में से अधिकतम लाभ वाले किसी एक छूट का लाभ तत्संबंधी सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर देय होगा।

आठ- अधिवार्षिकी आयु- 60 वर्ष

नौ- महत्वपूर्ण- यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि, वे आवेदित पद के लिए निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को पूरा करते हैं। अतः आवेदन करने के पहले आवेदक अपनी अर्हता की जाँच स्वयं कर लें और अर्हता की समस्त शर्तों को पूरा करने पर ही आवेदन पत्र भेजें। लिखित परीक्षा में सम्मिलित किये जाने या साक्षात्कार के लिये आमंत्रित करने का अर्थ यह कदापि नहीं होगा कि आवेदक को अर्ह मान लिया गया है। चयन के किसी भी स्तर पर आवेदक के अनर्ह पाये जाने पर उसका आवेदन पत्र निरस्त कर उसकी उम्मीदवारी समाप्त की जायेगी।

दस- प्रत्येक उम्मीदवार का केवल एक ही आवेदन पत्र स्वीकार किया जायेगा। किसी उम्मीदवार के एक से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने पर उसके सभी आवेदन पत्र आयोग द्वारा निरस्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र के लिफाफे पर प्रेषक के स्थान पर आवेदक का पूरा नाम तथा पता लिखना अनिवार्य होगा। लिफाफे के ऊपर विज्ञापन क्रमांक तथा आवेदित पद का नाम अवश्य अंकित करें।

ग्यारह- यदि आवेदक के पते में कोई परिवर्तन होता है तो पता परिवर्तन हेतु लिखित आवेदन पत्र आयोग को तत्काल प्रस्तुत करें तथा साथ में 11.5 × 27.5 से.मी. आकार के परिवर्तित पता लिखें तथा पर्याप्त डाक टिकिट लगे दो लिफाफे भी साथ में भेजें। यद्यपि आयोग पता परिवर्तन के अनुसार कार्यवाही करने का पूरा प्रयास करता है, किंतु इस मामले में आयोग कोई उत्तरदायित्व नहीं ले सकता है।

बारह- चयन प्रक्रिया- उपरोक्त पदों पर अंतिम चयन लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्तांकों के आधार पर होगा। लिखित परीक्षा में प्राप्तांक के आधार पर गुणानुक्रम में प्रत्येक श्रेणी के आवेदकों को पदों की संख्या के 3 गुणा के अनुपात में आमंत्रित किया जाएगा। साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले आवेदकों को चयन के लिये अनर्ह माना जायेगा। साक्षात्कार के लिये आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। परीक्षा योजना तथा पाठ्यक्रम हेतु परिशिष्ट-3 का अवलोकन करें। परीक्षा तिथि एवं समय सारिणी की सूचना यथासमय '**रोज़गार और निर्माण**' समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी।

तेरह- परीक्षा केन्द्र- लिखित परीक्षा निम्नलिखित केंद्रों पर आयोजित की जाएगी :-

परीक्षा केन्द्र	कोड
भोपाल -	01
ग्वालियर -	02
इंदौर -	03
जबलपुर -	04

उम्मीदवार द्वारा भरे गए स्थान के अनुसार परीक्षा केंद्र आबंटित करने के सभी प्रयास किए जाएंगे किंतु यह आवश्यक नहीं है कि आवेदक द्वारा भरा गया परीक्षा केंद्र ही आबंटित किया जाये। आयोग परीक्षा केंद्र की क्षमता एवं प्रशासकीय सुविधा की दृष्टि से परीक्षा केंद्र आबंटित करेगा। आवेदक आवेदन पत्र भरते समय अपने परीक्षा केन्द्र का सावधानीपूर्वक चयन करें। एक बार भरा गया परीक्षा केन्द्र बदला नहीं जाएगा। **परीक्षा भवन में मोबाइल फोन, पेजर एवं अन्य संचार यंत्र ले जाना वर्जित है।**

चौदह- आवेदक विस्तृत जानकारी के लिए-

(i) आयु सीमा की छूटें परिशिष्ट-एक

(ii) आवेदन पत्र भरने तथा अन्य निर्देशों एवं जानकारियों हेतु परिशिष्ट-दो

(iii)पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना हेतु परिशिष्ट-3 देखें।

सचिव

परिशिष्ट-1

(एक)- उच्चतम आयु सीमा में छूटें-

1. भारत शासन द्वारा मध्यप्रदेश के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट दी जावेगी।
2. मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति हेतु विशेष उपबंध) नियम 1997 के नियम 4 के अनुसार समस्त महिला अभ्यर्थियों को अधिकतम आयुसीमा में 10 वर्ष की छूट दी जायेगी। यह छूट विधवा परित्यक्ता महिलाओं को तथा अनु. जाति, अनु. जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की आवेदिकाओं को उन्हें देय 05 वर्ष की छूट के अतिरिक्त होगी।
3. विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिला आवेदक को अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की अतिरिक्त विशेष छूट देय होगी।

   टीप- ऐसी महिला आवेदन के लिये पात्र नहीं होगी, जिसकी सब छूटें जोड़कर अधिवार्षिकी आयु हो जाये। पद की अधिवार्षिकी आयु 60 वर्ष निर्धारित है।
4. मध्यप्रदेश शासन के स्थायी, अस्थायी वर्क चार्ज्ड या कांटिजेंसी पेड कर्मचारियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 38 वर्ष होगी। यह छूट परियोजना कार्यान्वयन समिति के अन्तर्गत कर्मचारियों के लिये भी स्वीकार्य होगी।
5. सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3-14/93/3/1, दिनांक 10.5.1993 अनुसार राज्य के निगम, मंडल, परिषद, नगर निगम, नगर पालिका आदि स्वशासी संस्थाओं के कर्मचारियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 38 वर्ष है।
6. स्वयंसेवी नगर सैनिकों/वालंटरी होमगार्ड एवं नगर सेना के नान कमीशन्ड अधिकारियों के मामले में अधिकतम आयु सीमा में उनके द्वारा इस प्रकार की गई सेवा की उतनी काल अवधि तक की छूट आठ वर्ष की सीमा के अध्यधीन रहते हुए दी जाएगी। किंतु किसी भी दशा में उनकी आयु सीमा 38 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
7. ऐसा अभ्यर्थी, जो छटनी किया गया सरकारी सेवक हो अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गई संपूर्ण अस्थायी सेवा की अधिक से अधिक 7 वर्ष तक की कालावधि (भले ही वह कालावधि एक से अधिक बार की गई सेवा का योग हो) कम कराने के लिये अनुज्ञात किया जायेगा, परंतु इसके परिणाम स्वरूप उसकी आयु निर्धारित आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिये।

   स्पष्टीकरण-

   छटनी किये गये सरकारी सेवक से तात्पर्य है ऐसा व्यक्ति जो इस राज्य या किसी भी संगठक इकाई की अस्थायी सरकारी सेवा में लगातार कम से कम छः मास तक रहा हो तथा जिसे रोजगार कार्यालय में अपना नाम रजिस्ट्रीकृत कराने या सरकारी सेवा में नियोजन हेतु अन्यथा आवेदन देने की तारीख से अधिक से अधिक तीन वर्ष पूर्व स्थापना में कमी किये जाने के कारण सेवामुक्त किया गया हो।
8. ऐसा अभ्यर्थी जो भूतपूर्व सैनिक हो, उसे अपनी आयु में से उसके द्वारा पहले की गई संपूर्ण प्रतिरक्षा सेवा की अवधि कम करने के लिये अनुज्ञात किया जायेगा, किंतु उसके परिणामस्वरूप जो आयु निकले यह उच्चतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिये।
9. 1.1.1963 के बाद में नेशनल कैडेट कोर के पूर्णकालिक अनुदेशक के रूप में भर्ती हुए हों तथा उसके प्रारंभिक बढ़े हुए कार्यकाल के बाद सेवामुक्त हुए हों ऐसे आवेदकों को 38 वर्ष तक छूट रहेगी।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

दो- प्रोत्साहन स्वरूप दी गई छूट-

(1) परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रीनकार्डधारी आवेदकों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञाप क्रमांक सी-3-40/आ/84/(3) 1, दिनांक 11 जनवरी, 1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में दो वर्ष की छूट दी जायेगी।

(2) आदिम जाति, हरिजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अन्तर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत दंपतियों के सवर्ण सहभागी को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/10/85/3/1, दिनांक 29.6.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट दी जायेगी।

(3) विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक सी-3/18/85/3/1, दिनांक 3.9.1985 के संदर्भ में अधिकतम आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट दी जावेगी।

टीप- (1) परिशिष्ट-एक (एक) में दर्शायी गई छूटों के संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि यदि कोई आवेदक शासन द्वारा बिंदु क्रमांक (एक) के अंतर्गत भिन्न-भिन्न वर्गों के लिये निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में छूट के लाभ के लिये एक से अधिकतम आयु सीमा में छूट के लाभ के लिये एक से अधिक आधार रखता है तो उसे अधिकतम लाभ वाले किसी एक आधार के लिये निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में छूट का लाभ ही प्राप्त होगा।

(2) परिशिष्ट-एक (दो) के अंतर्गत प्रोत्साहनस्वरूप अधिकतम आयु सीमा में विभिन्न कार्यो/योजनाओं के अंतर्गत दी गई छूटों में से यदि कोई आवेदक एक से अधिक छूटों का आधार रखता है तो उसे आयु सीमा में सर्वाधिक लाभ वाले किसी एक आधार (प्रोत्साहन वाले) के लिये देय छूट मिलेगी। यह छूट परिशिष्ट एक (एक) में दी गई छूट के अतिरिक्त होगी।

नोट- उपरोक्त एक (एक) और (दो) में उल्लेखित उच्चतम आयु सीमा में छूट की पात्रता तत्संबंधी सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही देय होगी।

परिशिष्ट-2

आवेदन पत्र भरने के संबंध में निर्देश एवं अन्य जानकारी

आवेदन-पत्र-

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी के पद हेतु जारी इस विज्ञापन के साथ कम्प्यूटराईज्ड आवेदन पत्र प्रकाशित किया जा रहा है। प्रत्येक आवेदन पत्र पर आवेदन क्रमांक अंकित है। इस मूल आवेदन पत्र पर ही आवेदन करें। आवेदन पत्र की छाया प्रति/टंकित प्रति मान्य नहीं होगी। कृपया सुनिश्चित कर लें कि विज्ञापन के साथ यह कंप्यूटराईज्ड आवेदन पत्र भी आपको उपलब्ध हो। आवेदन पत्र निर्देशानुसार ही भरें। आवेदन पत्र भरने के संबंध में मुख्य निर्देश निम्नानुसार है :-

1. यह आवेदन पत्र 2 पन्ने अर्थात चार पृष्ठों का है। पृष्ठ क्रमांक दो खाली है आवेदक उस पर कुछ भी न लिखें अन्यथा आवेदन पत्र स्केन नहीं होगा।
2. यह आवेदन पत्र केवल काली स्याही वाले बालपेन से ही भरें।
3. कोई भी कॉलम खाली न छोड़ें। अधूरा भरा फार्म आयोग द्वारा अमान्य कर दिया जायेगा। प्रविष्टियां सफाई से भरें, काट-पीट न करें।
4. आवेदन पत्र को दो ही मोड़ दें उसे गीला या गंदा न करें।
5. प्रथम पृष्ठ पर फोटो निर्धारित साईज की चिपकायें। स्टेपल या पिन न करें। फोटो के पीछे आवेदक अपना नाम तथा आवेदन-पत्र क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें।
6. फोटो के समक्ष दिये बाक्स में हस्ताक्षर अनिवार्यतः करें।
7. घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर हिन्दी व अंग्रेजी दोनों में करें। हस्ताक्षर के अभाव में आवेदन-पत्र निरस्त कर दिया जायेगा।
8. पृष्ठ तीन पर भी फोटो अनिवार्यतः लगायें। बॉक्स में हस्ताक्षर करें। फोटो के पीछे आवेदक अपना नाम तथा आवेदन-पत्र क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें।
9. फोटो पासपोर्ट आकार का सामने से खींचा हुआ जिसमें दोनों कान दिखाई देते हों, होना चाहिए। फोटोग्राफ की फोटोस्टेट प्रति स्वीकार्य नहीं होगी।
10. केवल पृष्ठ चार पर ही मूल बैंक चालान की पी.एस.सी. प्रति के साथ सभी प्रमाण-पत्र स्टेपल करें अन्य कहीं नहीं, अन्यथा आपका आवेदन पत्र स्केन नहीं हो सकेगा। आवेदक अपने अभिलेख हेतु बैंक चालान की छायाप्रति कराकर अपने पास रखें।
11. समस्त जानकारी सही व स्पष्ट शब्दों में दें। जानकारी गलत पाये जाने पर आयोग द्वारा उम्मीदवारी निरस्त कर दी जायेगी।
12. संख्या लिखने में अंतर्राष्ट्रीय अंकों यथा 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0 का ही प्रयोग करें। कलात्मक अंकों का प्रयोग न करें।
13. प्रमाण-पत्रों की कुल संख्या निर्धारित स्थान पर अवश्य लिखें साथ ही उसके नीचे हस्ताक्षर करना न भूलें।
14. आवेदन पत्र के लिफाफे पर प्रेषक के स्थान पर आवेदक अपना नाम तथा पता एवं लिफाफे के शीर्ष पर विज्ञापन क्रमांक एवं आवेदित पद का नाम बड़े अक्षरों में लिखें तथा उसे रेखांकित करें। लिफाफे पर इस विवरण के बगैर प्राप्त आवेदन पत्रों पर आयोग द्वारा कोई कार्यवाही संभव नहीं होगी।
15. उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि, सभी अभिलेखों अर्थात उनके आवेदन पत्र, परीक्षा हाल में उपस्थिति सूची पर तथा आयोग के साथ किए गये समस्त पत्र व्यवहार में उनके द्वारा किए गये हस्ताक्षर एक समान होने चाहिए इनमें किसी भी प्रकार का अंतर नहीं होना चाहिए यदि विभिन्न अभिलेखों पर उनके द्वारा लिए गये हस्ताक्षरों में कोई अंतर पाया जाता है तो आयोग द्वारा उनकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।
16. **पहचान चिन्ह:-** उत्तर पुस्तिका पर परीक्षार्थी केवल निर्धारित स्थान पर ही अपना अनुक्रमांक लिखें। यदि उम्मीदवार उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भाग पर अनुक्रमांक या अपना नाम लिखेंगे अथवा अन्य चिन्ह अंकित करेंगे तो उसे पहचान चिन्ह बनाना माना जाएगा। ऐसे पहचान चिन्ह वाले प्रकरणों में आवेदक को नोटिस देना अनिवार्य नहीं रहेगा तथा बिना किसी सूचना के आवेदक की उम्मीदवारी तथा परीक्षा निरस्त की जा सकेगी।
17. आवेदक को आयोग से पत्राचार करते समय अपना पूरा नाम, श्रेणी, पंजीयन क्रमांक, अनुक्रमांक तथा पूर्ण पता लिखना चाहिए।

अन्य निर्देश:-

1. एक लिफाफे में एक ही आवेदन-पत्र रखें।
2. स्वयं का पता लिखा छः रुपये का टिकिट लगा एक पोस्टकार्ड लिफाफे में आवेदन पत्र के साथ अवश्य रखें। इसके अभाव में आवेदन-पत्र प्राप्ति की सूचना आयोग द्वारा देना संभव नहीं होगा।
3. मूल आवेदन प्रपत्र में की गई प्रविष्टियों में किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी। अतः आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भरें।

आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले प्रमाण-पत्र

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों/अंकसूचियों की स्वयं अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रतिलिपियां अवश्य भेजी जानी चाहिए। उनके अभाव में आवेदन-पत्र अपूर्ण मानकर अस्वीकार कर दिया जायेगा और उसके संबंध में आयोग द्वारा न तो कोई अभ्यावेदन स्वीकार किया जायेगा और न ही कोई पत्र व्यवहार किया जायेगा। प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के पृष्ठ क्रमांक-चार के साथ ही स्टेपल करें।

आयु संबंधी प्रमाण के लिये- केवल हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी अथवा मैट्रिक्यूलेशन की अंकसूची/प्रमाण-पत्र जिनमें जन्मतिथि का स्पष्ट उल्लेख हो।

शैक्षणिक अर्हताओं के प्रमाण पत्र- हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी तथा उसके बाद की उन समस्त परीक्षाओं की जिन्हें आवेदक ने उत्तीर्ण किया है। समस्त वर्षों/सेमिस्टर्स की अंकसूचियाँ।

जाति के प्रमाण पत्र :-

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग का स्थायी जाति प्रमाण-पत्र अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जो कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जाति प्रमाण पत्र देने के लिए अधिकृत है अथवा उच्च अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो आवेदन के साथ संलग्न करें। यदि आवेदन पत्र के साथ वैध प्रावधिक जाति प्रमाण (जो कि आवेदन की अंतिम तिथि को छः माह के भीतर की अवधि में जारी हुआ हो) संलग्न किया जाता है तो तथा साक्षात्कार के समय जाति का स्थायी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि आवेदक साक्षात्कार के समय सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त जाति का स्थायी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी जिसके लिए आवेदक स्वयं जिम्मेदार होगा इस संबंध में आवेदक का कोई वचनपत्र अथवा अभ्यावेदन मान्य नहीं करते हुए उन्हें नस्तीबद्ध किया जायेगा एवं आयोग इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा। **विवाहित महिलाओं का अपने नाम के साथ पिता के नाम का लगा जाति प्रमाण पत्र ही मान्य किया जायेगा। अन्य पिछड़ा वर्ग की विवाहित आवेदिकाएँ जाति प्रमाणन हेतु पिता के नाम युक्त स्थायी जाति प्रमाण पत्र के साथ ही विवाह के पश्चात् क्रीमीलेयर में न आने के प्रमाणस्वरूप अपने पति के नाम युक्त स्थायी जाति प्रमाण पत्र भी संलग्न करें। प्रमाण पत्र की फोटोप्रति संलग्न करें।**

तदर्थ रूप से शासन की सेवा में कार्यरत आवेदकों को तत्संबंधी प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

परिशिष्ट-एक की कंडिका-(एक)(3) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट की पात्रता के लिये विधवा, परित्यक्ता तथा तलाकशुदा महिला आवेदकों द्वारा सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट अथवा जिला मजिस्ट्रेट अथवा जिला मजिस्ट्रेट का प्रमाण-पत्र।

परिशिष्ट-एक की कंडिका-(एक)(4) से (9) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट की पात्रता के लिये नियोक्ता अधिकारी/सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र।

परिशिष्ट-एक की कंडिका-(दो)(1) के अंतर्गत उच्चतम आयु सीमा में छूट के लिये ग्रीनकार्ड।

परिशिष्ट-एक की कंडिका-(दो)(2) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट के लिये शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाण पत्र।

परिशिष्ट-एक की कंडिका-(दो)(3) के अंतर्गत आयु सीमा में छूट के लिये विक्रम पुरस्कार प्राप्त होने का प्रमाण पत्र।

निर्धारित राशि का बैंक चालान संलग्न करें

1. परीक्षा एवं आवेदन शुल्क-

1. मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी आवेदक जो मध्यप्रदेश के लिये अधिसूचित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विकलांग की श्रेणी में आते हैं, के लिये **आवेदन शुल्क रु. 30/- तथा परीक्षा शुल्क रु. 60/- कुल रु. 90/- देय होंगे।**
2. शेष सभी श्रेणी के एवं मध्यप्रदेश के बाहर के निवासी आवेदको के लिए **आवेदन शुल्क रु. 60/- तथा परीक्षा शुल्क रु. 120/- कुल रु. 180/-देय होंगे।**

बैंक चालान- उपरोक्त शुल्क आवेदन पत्र के पृष्ठ-3 के आधार भाग में स्थित चालान द्वारा भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा में जमा किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक को उक्त शुल्क को जमा करने हेतु रु. 30/- प्रोसेस फीस देय होगी जो आवेदक द्वारा वहन की जायेगी। आवेदक चालान की निर्धारित प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें।

अत्यंत आवश्यक- उपरोक्त शुल्क आयोग द्वारा केवल भारतीय स्टेट बैंक में उपरोक्तानुसार चालान द्वारा जमा करने पर ही स्वीकार किया जावेगा। बैंक ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, पोस्टल आर्डर अथवा अन्य किसी भी माध्यम से शुल्क स्वीकार नहीं किया जायेगा। निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त तथा निरस्त किये गये आवेदन पत्रों के हेतु जमा शुल्क वापस नहीं किया जायेगा इसलिए आवेदकों के लिये सुझाव है कि अंतिम तिथि तक प्रतीक्षा करने के बजाये उसके काफी पहले आवेदन पत्र भेजना उनके हित में होगा।

टीप- आयोग को प्राप्त आवेदन शुल्क केवल निम्नानुसार परिस्थितियों में ही आवेदकों को वापस किया जा सकेगा-

I. यदि आयोग द्वारा विज्ञापित विज्ञापन निरस्त हो जाये, अथवा

II. यदि किसी कारण से परीक्षा या चयन की कार्यवाही निरस्त कर दी जाये।

आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि-

आयोग कार्यालय में आवेदन-पत्र जमा करने की **अंतिम तिथि 13.08.2009** है। अंतिम तिथि को सायंकाल 5:30 बजे तक आयोग कार्यालय में आवेदन-पत्र पहुंचाने का उत्तरदायित्व आवेदक का है। आयोग कार्यालय के काउंटर पर भी कार्यालयीन समय (प्रातः 10:30 से सायं 5:30 बजे तक) में प्रत्येक कार्य दिवस को अंतिम तिथि तक आवेदन-पत्र जमा कराये जा सकते हैं, जिसकी रसीद उसी समय दी जायेगी। डाक से प्राप्त होने वाले आवेदन-पत्र अंतिम तिथि को सायं 5:30 बजे तक आयोग कार्यालय में प्राप्त होने पर ही अंतिम तिथि तक प्राप्त हुये माने जायेंगे। डाक/कोरियर के कारण होने वाले विलंब/गुम होने/कटने फटने अथवा नष्ट होने के लिये आयोग उत्तरदायी नहीं रहेगा। आयोग कार्यालय में अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन-पत्र निरस्त किए जायेंगे। कोरियर सेवा प्रदाताओं से अंतिम तिथि को सायं 5:30 बजे तक ही आवेदन प्राप्त किये जायेंगे उसके बाद कोरियर सेवा प्रदाताओं से आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जावेंगे।

आवेदन-पत्र भेजने का पता-

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी क्षेत्र,
इंदौर-452001.

प्रवेश पत्र -

आयोग सभी अर्ह आवेदकों को यू.पी.सी. डाक से प्रवेश पत्र भेजेगा। यदि लिखित परीक्षा के दिनांक से 15 दिवस पूर्व तक किसी आवेदक को आयोग से भेजा गया प्रवेश पत्र प्राप्त न हो तो वे इसके लिये आयोग कार्यालय से संपर्क करें। आयोग कार्यालय से उन्हें उनका परीक्षा केन्द्र तथा प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति रुपये 10/- शुल्क भुगतान के पश्चात् दी जाएगी। यह सुविधा परीक्षा दिनांक से सात दिवस पूर्व तक दी जाएगी। परीक्षा केन्द्र/रोल नंबर की जानकारी किसी भी स्थिति में टेलीफोन पर नहीं दी जाएगी।

नियोक्ता की अनापत्ति-

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी उपक्रम में हों या किसी प्रकार से अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिये। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के माध्यम से भेजा हो और वह आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तिथि से पहले प्रस्तुत किया गया हो। जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहा हो या किसी काम के लिये विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हो, आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त कर्मचारी हो, अथवा जो लोक सेवा उद्यमों के अधीन कार्यरत हो, उनको यह परिवचन (Undertaking) प्रस्तुत

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

करना होगा कि, उसने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि, उसने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है। उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिये आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबद्ध अनुमति रोकते हुये कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

अनुशासनिक निर्देश -

ऐसे आवेदक को आपराधिक अभियोजन के लिये दोषी ठहराया जायेगा, जिसे आयोग में निम्नलिखित के लिये दोषी पाया हो-

1. जिसने अपनी उम्मीदवारी के लिये परीक्षा/साक्षात्कार में किसी भी तरीके से समर्थन प्राप्त किया हो या इसके लिये प्रयास किया हो, या
2. पररूप धारण (इम्परसोनेशन) किया हो, या
3. किसी व्यक्ति से पररूप धारण (इम्परसोनेशन) कराया हो/किया हो, या
4. फर्जी दस्तावेज या ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत किये हों, जिनमें फेरबदल किया गया हो, या
5. चयन में किसी भी स्तर पर असत्य जानकारी दी हो या सारभूत जानकारी छिपाई हो, या
6. परीक्षा/साक्षात्कार में लगे कर्मचारियों को परेशान किया हो, या धमकाया हो या शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
7. परीक्षा/साक्षात्कार में किसी अन्य तरीके से दुर्व्यवहार किया हो।

उपरोक्त प्रकार से दोषी पाये जाने वाले आवेदकों के विरुद्ध आपराधिक अभियोजन के अलावा उन पर निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकेगी-

(क) आयोग द्वारा उस चयन के लिये, जिसके लिये वह उम्मीदवार है, उसकी उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी और/या

(ख) उसे या तो स्थायी रूप से अथवा विशिष्ट अवधि के लिये निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकेगा

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली परीक्षा से या उनके द्वारा किये जाने वाले चयन से।

(ii) राज्य शासन द्वारा या/तथा उनके अधीन नियोजन से।

(ग) यदि वह शासन के अधीन पहले से ही सेवा में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उस पर अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकेगी। परंतु उपरोक्त कार्यवाही के परिणामस्वरूप कोई शास्ति तब तक अधिरोपित नहीं की जायेगी जब तक कि-

(i) उम्मीदवार को लिखित में ऐसा अभ्यावेदन जो वह इस संबंध में देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर नहीं दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत अवधि के भीतर प्रस्तुत किये गये अभ्यावेदन पर विचार नहीं किया गया हो।

अनर्हताएँ:- ऐसे आवेदकों के आवेदन पत्र निरस्त किए जाएंगे जिन्हें किसी परीक्षा अथवा चयन से उपरोक्त दर्शित प्रावधानों के तहत विवर्जित किया गया है।

यात्रा व्यय का भुगतान-

(अ) लिखित परीक्षा के लिये मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी जो मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक, जो किसी सेवा में न हों, उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होने पर मध्यप्रदेश शासन के प्रचलित नियमों के अधीन यात्रा व्यय का नगद भुगतान (मध्यप्रदेश की सीमा तक), वापसी यात्रा के पूर्व परीक्षा केन्द्र पर केन्द्राध्यक्ष द्वारा किया जावेगा। आवेदकों को इसके लिये केन्द्राध्यक्ष को वांछित घोषणा पत्र भर कर देना होगा तथा यात्रा भत्ते की पात्रता से संबंधित आवश्यक सभी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होंगे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र के स्वयं के अथवा राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रतिलिपि घोषणा पत्र के साथ संलग्न करें तभी उन्हें यात्रा व्यय दिया जाएगा।

(ब) साक्षात्कार हेतु उपस्थित होने वाले उपरोक्त वर्ग के आवेदकों को यात्रा व्यय का भुगतान उपरोक्त नियमानुसार आयोग कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

सचिव

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष) परिशिष्ट-3

सहायक संचालक/सांख्यिकी अधिकारी के पद हेतु लिखित परीक्षा-2009 परीक्षा योजना

सहायक संचालक/सांख्यिकी अधिकारी लिखित परीक्षा-2009 में कुल तीन प्रश्नपत्र होंगे। लिखित परीक्षा के तीनों प्रश्नपत्र कुल 500 अंकों के तथा साक्षात्कार कुल 50 अंकों का होगा। तीनों प्रश्न पत्रों के प्रकार एवं अवधि का विवरण निम्नानुसार रहेगा-

अनिवार्य विषय -

1. प्रथम प्रश्न पत्र - सामान्य ज्ञान कुल 100 अंक

(सामान्य ज्ञान - 40 अंक) प्रश्न पत्र की अवधि 1 घंटा रहेगी प्रश्न पत्र
हिन्दी ज्ञान - 15 अंक वस्तुनिष्ठ प्रकार का A.B.C.D.
कम्प्यूटर ज्ञान - 30 अंक चार संभावित अंग्रेजी ज्ञान - 15 अंक उत्तरों वाला होगा।

द्वितीय प्रश्न पत्र -

सांख्यिकी, अर्थशास्त्र का ज्ञान कुल 200 अंक

(1) प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के चार संभावित A.B.C.D. उत्तरों वाले होंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। — प्रश्न पत्र की अवधि 2 घंटे की होगी।
(2) विस्तृत उत्तरों वाले प्रश्न 100 अंकों के 20 प्रश्न होंगे प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा।
(3) द्वितीय प्रश्न पत्र अर्थात सांख्यिकी अर्थशास्त्र का ज्ञान के प्रश्न पत्र में अनारक्षित श्रेणी के परीक्षार्थी को 50 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित श्रेणी के परीक्षार्थी को 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

तृतीय प्रश्न पत्र ऐच्छिक विषय- कुल 200 अंक

निम्न में कोई एक विषय लेना है — प्रश्न पत्र की अवधि 2 घंटे की होगी। प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार का A.B.C.D. चार संभावित उत्तरों वाला होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा।

(1) अर्थशास्त्र
(2) समाज शास्त्र
(3) कृषि अर्थशास्त्र
(4) वाणिज्य
(5) सांख्यिकी
(6) गणित

उपरोक्त वर्णित अनिवार्य विषय सामान्य ज्ञान (प्रथम प्रश्न पत्र) एवं तृतीय प्रश्न पत्र ऐच्छिक विषयों में परीक्षा देने वाले अनारक्षित श्रेणी के परीक्षार्थी को 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर तथा मध्यप्रदेश राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के परीक्षार्थी को 10 प्रतिशत अंकों की छूट का लाभ देते हुऐ उन्हें 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर उत्तीर्ण माने जायेंगे।

किन्तु रिक्त पदों के मान से उच्च प्राप्तांकधारी (मेरिट क्रमानुसार) तीन गुना परीक्षार्थियों के साथ ही समान अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जावेगा।

साक्षात्कार के कुल 50 अंक निर्धारित हैं। आवेदकों को अंतिम चयन के लिए परीक्षा में तथा साक्षात्कार में पृथक-पृथक 40 प्रतिशत अंक अनारक्षित संवर्ग के तथा मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को 30 प्रतिशत अंक परीक्षा एवं साक्षात्कार में पृथक-पृथक प्राप्त करना होंगे।

आयोग द्वारा अंतिम चयन फल साक्षात्कार उपरांत मेरिट अनुसार (उच्च अंकधारी) आवेदकों को घोषित किया जावेगा।

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम-सामान्य अध्ययन

प्रश्नपत्र-प्रथम (अनिवार्य)

1. सामान्य विज्ञान एवं पर्यावरण

सामान्य विज्ञान एवं पर्यावरण पर प्रश्नों में दैनंदिन (रोजमर्रा) अवलोकन एवं अनुभव से संबंधित प्रश्न जो किसी भी शिक्षित व्यक्ति द्वारा अपेक्षित है और जिन्होंने इन विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, सम्मिलित होंगे।

2. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाएं

वर्तमान घटनाओं में प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ज्ञान का परीक्षण किया जावेगा।

3. भारत का इतिहास एवं स्वतंत्र भारत

इतिहास में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक पहलुओं से संबंधित सामान्य ज्ञान के प्रश्न होंगे। राष्ट्रीय आन्दोलन एवं स्वतंत्र भारत के विकास के प्रश्न भी पूछे जावेंगे।

4. (क) भारत का भूगोल

भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल के सामान्य ज्ञान के प्रश्न होंगे। इसमें भारतीय कृषि एवं प्राकृतिक संसाधनों का समावेश होगा तथा भारतीय जनांकिकीय एवं जनगणना से संबंधित प्रश्न होंगे।

(ख) विश्व की सामान्य भौगोलिक जानकारी।

5. भारतीय राजनीति एवं अर्थव्यवस्था

इसमें देश की राजनैतिक व्यवस्था एवं संविधान, पंचायती राज, सामाजिक व्यवस्था, आर्थिक विकास चुनाव, राजनीतिक दलों, योजनाएं, औद्योगिक विकास, विदेशी व्यापार, आर्थिक एवं वित्तीय संस्थाओं पर प्रश्न होंगे।

6. खेलकूद

मध्यप्रदेश, भारत, एशिया एवं विश्व में खेले जाने वाले प्रमुख खेलकूद एवं खेल प्रतियोगिताओं पुरस्कारों तथा व्यक्तियों से संबंधित प्रश्न होंगे।

7. मध्यप्रदेश का भूगोल, इतिहास तथा संस्कृति

मध्यप्रदेश के भूगोल में पर्वतों के विकास, नदियां, जलवायु वनस्पतियां, जीवजन्तु खनिज, परिवहन से संबंधित प्रश्न होंगे। मध्यप्रदेश के इतिहास एवं संस्कृति में प्रसिद्ध राजवंशों का योगदान, जनजातियां, कला, स्थापत्य कला ललित कलाओं एवं ऐतिहासिक व्यक्तियों पर भी प्रश्न होंगे।

8. मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थव्यवस्था

इसमें प्रदेश की राजनैतिक व्यवस्था, राजनीतिक दलों एवं चुनाव, पंचायतीराज, सामाजिक व्यवस्था, आर्थिक विकास से संबंधित प्रश्न होंगे। इसमें उद्योग, योजनाएं, आर्थिक कार्यक्रम, व्यापार मध्यप्रदेश की जनांकिकीय एवं जनगणना पर प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

9. सामान्य मानसिक योग्यता

संख्यात्मक योग्यता, तर्क, कूट, आंकड़ों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष तथा सभ्यता संबंधी प्रश्नों का समावेश होगा।

10. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

इसमें अभिलक्षण, प्रयोग और शब्दावलियों, जैसे वेबसाइट, ऑनलाईन, सर्च इंजिन, ई-मेल, वीडियो मेल, चेटिंग, वीडियो कान्फ्रेन्स, हेकिंग, क्रेकिंग, वायरस और सायबर अपराध से संबंधित प्रश्न सम्मिलित होंगे।

Assistant Director/District Statistical Officer Written Examination

Syllabus of General Studies

Paper-I (Compulsory)

1. General Science and Environment

Questions on general science and Environment will cover general appreciation and understanding of science including matters of every day observation and experience as may be expected of a well educated person who has not made a special study of any particular scientific discipline.

2. Current Events of National & International Importance

In current events knowledge of significant National and International level will be tested.

3. History of India and Independent India

In History, questions of general knowledge related to social, economic and political aspects will be asked. Also, there will be questions on Indian National Movement and Development of Independent India.

4. (1) Geography of India

There will be questions of general knowledge relating to Physical, social and economic geography. It will also include questions on Indian Agriculture and Natural resources. There will be questions pertaining to demography and census of India.

(2) General Geographical awareness of world.

5. Indian Polity and Economy

Political system and constitution of the country, Panchayati Raj, social system, economic development, elections, political parties, plans, industrial development, foreign trade, economic and financial institutions.

6. Sports

Important games and sports tournaments, Awards and personalities of M.P., India, Asia and World.

7. Geography, History and Culture of M.P.

There will be questions related to the development of Mountains, rivers, climate, Flora and Fauna, Minerals transportation in the Geography of Madhya Pradesh. It will also have questions relating to important dynasties of M.P., Contribution of important dynasties in the History & Culture of Madhya Pradesh, There will be questions on Tribals, Arts, Architecture, Fine Arts and Historical personalities of M.P.

8. Polity and Economy of M.P.

Political system, Political parties and elections, Panchayati Raj, Social system and economic development of M.P. This will also include questions on Industry, Plans, Economic programmes, business, demography and census of M.P.

9. General Mental Ability

Numerical ability, reasoning, coding, data analysis and interpretation and analogy.

10. Information and Communication Technology

Questions pertaining to characteristics, uses, and terminologies such as website, online, search engine, e-mail, video mail, chatting, video conferencing, hacking, cracking, virus and cyber crime.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम-सांख्यिकी-अर्थशास्त्र का ज्ञान

प्रश्न-पत्र द्वितीय

पूर्णांक-200

खण्ड- "अ" सांख्यिकी

इस प्रश्न पत्र में 50 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे एवं 50 अंकों के विस्तृत प्रश्न होंगे।

एक समष्टि से प्रतिदर्श तथा समष्टि की अवधारणा, मात्रात्मक एवं गुणात्मक आंकड़े, असंतत एवं संतत आंकड़े, सामूहित आंकड़ों का चित्रमय एवं आरेखित प्रदर्शन : आवृत्ति बंटन, संचयी आवृतित बंटन एवं उनका आरेखित प्रदर्शन, आयत चित्र, आवृत्ति बहुभुज एवं तोरण। केन्द्रीय प्रवृत्ति, प्रकीर्णन, वैषम्य तथा ककुदता की अवधारणाएं एवं उनके माप, द्विचर आंकड़े, गुणन आघूर्ण सहसंबंध गुणांक, निर्धारक गुणांक, सहसंबंध अनुपातः अंतर्वर्ग सहसंबंध, सहसंबंध सूचक, स्पियरमेन कोटि सहसंबंध, न्यूनतम-वर्ग नियम, रेखीय समाश्रयण का आसंजन एवं संबंधित परिणाम, रूपांतरण से बहुपद में परिवर्तित होने वाले वक्रों का आसंजन, बहु एवं आंशिक से सहसंबंध। प्रवर्गीकृत आंकड़ों का विश्लेषण व वर्गीकृत आंकड़ों की संगति, गुणों की अनाश्रितता एवं साहचर्य, द्विधा एवं त्रिधारूप वर्गीकृत आंकड़ों के लिए साहचर्य के विभिन्न माप। प्रायिकता की परिभाषाएं, यादृच्छिक प्रयोग, प्रतिदर्श समष्टि, घटना, सप्रतिबंध प्रायिकता, घटनाओं की अनाश्रितता, बेज प्रमेय एवं उसका अनुप्रयोग, यादृच्छिक चर एवं उनकी परिभाषाएं, द्विपद, प्वासों एवं प्रसामान्य बंटन।

खण्ड- "ब" अर्थशास्त्र

इस प्रश्न पत्र में 50 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे एवं 50 अंकों के विस्तृत प्रश्न होंगे।

व्यष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा, अर्थशास्त्र के नियम, उपयोगिता, सीमान्त और कुल उपयोगिता में संबंध, उपयोगिता ह्रास नियम, समसीमान्त उपयोगिता का नियम, उदासीनता वक्र के द्वारा उपभोक्ता का साम्य, मांग की लोच तथा मांग की लोच की नाम। उपभोक्ता का बचत सिद्धांत, उत्पादन लागत एवं आगम वक्र। बाजार तथा बाजार के प्रकार एवं क्षेत्र। बाजार मूल्य, सामान्य मूल्य वितरण के सिद्धांत, सीमान्त उत्पादकता का सिद्धांत, आधुनिक सिद्धांत, लगान, लाभ, मजदूरी एवं ब्याज के आधुनिक सिद्धांत।

समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा, राष्ट्रीय आय एवं मापने की विधियां, जी.डी.पी., एन.एन.पी., प्रति व्यक्ति आय, व्यक्ति आय। पर्यावरणीय समस्याएं वन विहीनीकरण, जल एवं वायु प्रदूषण एवं उनका आर्थिक निहितार्थ।

मुद्रा, मुद्रा के कार्य, महत्व मुद्रा प्रसार एवं संकुचन, बैंक के कार्य, केन्द्रीय बैंक के कार्य, रिजर्व बैंक के कार्य तथा साख नियंत्रण। रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धांत, कीन्स का रोजगार का सिद्धांत।

क्षेत्रीय आयोजन, क्षेत्र (सेक्ट्राल) तथा स्थानिक एकीकरण संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए व्यूह रचना, क्षेत्रीय नियोजन की कठिनाईयां।

सार्वजनिक आय एवं कर का विवरण, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत, बजट, बजट बनाने की विधि, शून्य बजट, घाटे की वित्त व्यवस्था।

पंचवर्षीय योजनाओं में भारत का विदेशी व्यापार, आयात, निर्यात की नवीन प्रवृत्तियां एवं दिशाएं। भुगतान संतुलन एवं व्यापार संतुलन। भुगतान असंतुलन के कारण तथा दूर करने के उपाय।

Assistant Director/District Statistical Officer

Syllabus of Statistics and Economics Knowledge

Paper-II

Max. M. 200

Section- "A" Statistics

This question paper contains objective type questions of 50 marks and descriptive questions of 50 marks.

Concept of a statistical population and sample from a population; qualitative and quantitative data; discrete and continuous data; Diagrammatic and graphical representation of grouped data. Frequency distributions, cumulative frequency distributions and their graphical representation. Histogram, frequency polygon and ogives, Concepts of central tendency, dispersion, skewness and kurtosis and their measures. Bivariate data; Product moment correlation coefficient, coefficient of determination, correlation ratio, intracall correlation, correlation index, Spearman's rank correlation coefficient. Principle of least squares. Fitting of linear regression and related results, fitting of curves reducible to polynomials by transformation. Multiple and partial correlation. Definitions of Probability, Random experiment, Sample space, event, conditional probability, independence of events, Baye's theorem and its applications. Random variables and their definitions. Binomial, Poisson and normal distributions.

Section- "B" Economics

This question paper contains objective type questions of 50 marks and descriptive questions of 50 marks.

Concept of Micro Economics, Economics Laws, Utility, Marginal & Total Utility. Law of diminishing marginal utility. Law of equi-marginal utility. Indifference curve & consumer's equilibrium, elasticity of demand, measurement of elasticity of demand. Consumer surplus. Costs of production & Revenue curves. Market & types of market areas. General price & Market price. Principles of distribution, Marginal Productivity theory,

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

Modern theory Modern theory of Rent, Wages, Interest & Profit.

Macro Economics, National Income, Measurements of National Income, G.D.P., N.N.P., Percapita Income, Personal Income, Environmental problems in India, Deforestation, Air & Water pollution and their Economic Implications.

Money, Functions of money, importance, money inflation and definition; functions of Bank, Central Banking, Functions of a Central Bank, RBI Function & Credit control. Classical theory of employment, theory of keynesian income and employment.

Regional planning regional (sectoral) and spatial integrations, Strategy for balanced regional development.

Concept of public income & expenditure, principle of maximum social advantage, Budget, methods to prepare to budget, Zero budget, deficit finance.

India's foreign trade during five year plans. New changes & dimensions in imports & exports of India, Balance of trade and Balance of payment and Measures for correcting the disequilibrium, Balance of Payment.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी

पाठ्यक्रम-अर्थशास्त्र

प्रश्नपत्र-तृतीय (ऐच्छिक)

खण्ड-अ

आर्थिक संवृद्धि के सिद्धांत तथा प्रक्रिया

- आर्थिक संवृद्धि का अर्थ तथा माप/जी.एन.पी. बनाम कल्याणकारी विवाद।
- विकास के परम्परावादी सिद्धांत शुम्पीटर का सिद्धांत, रोस्टोव की आर्थिक विकास की अवस्थाएं।
- हर्षमैन, लीबिन्स्टीन, रोडन, गुन्नार मिर्डल, हैरोड तथा डोगर के प्रतिरूप।
- महालनोबिस प्रतिरूप मजदूरी, माल प्रतिरूप, नव-कलासिकी, मिसेस जॉन रॉबिन्सन, मीड तथा कालडोर के प्रतिरूप
- आयोजन के सिद्धांत, लक्ष्यों का निर्धारण, संसाधन आवंटन तथा विनियोजन का मानदंड, लागत, क्षेत्रीय आयोजन, आयोजन में भौतिक संतुलन तथा संगति।

क्षेत्रीय अर्थशास्त्र-

- क्षेत्रीय अर्थशास्त्र की परिभाषा तथा क्षेत्र, क्षेत्रों की आवधारणा का प्रकार
- क्षेत्रीय विकास के सिद्धांत, क्षेत्र सिद्धांत गुन्नारमिर्डल का संचयी कार्यकरण सिद्धांत, निर्यात आधार सिद्धांत तथा क्षेत्रीय गुणांक अभितरण बनाम अपसरेक।
- स्थानीयकरण के सिद्धांत वोनथ्यूनेन, वेबर/लेस्च तथा क्रिस्टलर का केन्द्रीय कारण सिद्धांत।
- संकुल अर्थशास्त्र प्रकार तथा माप संकेन्द्रण बनाम वितरण। क्षेत्रीय आय और क्षेत्रीय लेखांकन।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का अर्थशास्त्र

- सार्वजनिक क्षेत्र की अवधारणा, पूंजीवादी तथा समाजवादी पद्धति में उसका स्थान, आर्थिक विकास में सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका। सार्वजनिक उपक्रमों के प्रकार, विकास का स्वरूप, संयुक्त क्षेत्र, राष्ट्रीय क्षेत्र।
- सार्वजनिक उपक्रमों संगठन, स्वरूप संविधिक निगम, संयुक्त पूंजी कंपनियां।
  संयुक्त उद्यम, एकल इकाई तथा बहु इकाई कंपनियां, नियंत्रक कंपनी।
- सार्वजनिक उपक्रमों की वित्त व्यवस्था, आंतरिक तथा बाह्स संसाधन ऋण इक्विटी, अनुपात पूंजी निर्माण, माल सूची, मूल्य नीति।
- सार्वजनिक क्षेत्र में औद्योगिक मजदूर संघ, संबंध एकल तथा बहुइकाई कंपनियां, मान्यता की समस्या, सामूहिक सौदेबाजी, उत्पादकता, सार्वजनिक क्षेत्रीय उपक्रमों में प्रोत्साहन मजदूरी तथा वेतन संरचना, अनुपंगीहित लाभ मुद्रेत्तर लाभ।
- भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का विकास, औद्योगिक नीति, 1948 तथा 1956 के संकल्प, मिश्रित अर्थव्यवस्था।
- 1991 की औद्योगिक नीति- वैश्वीकरण, निजीकरण, उदारीकरण।

सांख्यिकी का सिद्धांत तथा कार्य प्रणाली

- सांख्यिकी का क्षेत्र तथा उपयोगिता तथा आंकड़ों की गणना संकलन तथा सारणीकरण।
- औसत, अपकिरण, ग्राफिक।
- विचरण, गुणांक, प्रतीपगमन सहसंबंध।
- समय सारणी का विश्लेषण, उच्चावचन का पूर्वानुमान सिद्धांत जनसंख्या वृद्धि को मापने एवं पूर्वानुमान की विधियां, नमूने के सिद्धांत, प्रायिकता का प्रारंभिक सिद्धांत।
- भारत में सांख्यिकी का महत्व।
- केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन, जनसंख्या, राष्ट्रीय आय, आदि के समकों की गणना, एन.एस.एस.।

खण्ड-ब

भारत की आर्थिक समस्यायें

- राष्ट्रीय आय समकों के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना, भारतीय अर्थ-व्यवस्था में बचत तथा विनियोग व्यवहार।
- भारत में कृषि विकास संवृद्धि दर, आधुनिक प्रौद्योगिक तथा उसकी आय, रोजगार तथा क्षेत्रीय संवृद्धि पर प्रभाव, भूमि सुधार, कृषि मूल्य नीति।
  कृषि अतिरेक तथा उसके रख-रखाव की आधुनिक सुविधाएं खाद्यान्नों का सार्वजनिक वितरण एकीकृत ग्रामीण विकास की व्यूहरचना।
- भारत में औद्योगिक विकास, विकास दर, औद्योगिक संरचना, औद्योगिक नीति तथा उसके साधन, औद्योगिक वित्त व्यवस्था, औद्योगिक बीमारी, क्षमता उपयोग, सार्वजनिक उपक्रमों का कार्य, ग्रामीण औद्योगिकीकरण।
- भारत में निर्धनता तथा बेरोजगारी-नीतिगत उपायों का मूल्यांकन, भारत में मुद्रा संबंधी बैंकिंग नीति में नवीनतम प्रवृत्ति।
- राजकोषीय नीति, केन्द्र और राज्यों के वित्तीय संबंध।

जनसंख्या अध्ययन

- जनांकिकी का क्षेत्र तथा शाखा। विश्व जनसंख्या की प्रवृत्ति, जनसंख्या तथा खाद्यान्नों की आपूर्ति, विश्व जनसंख्या तथा आर्थिक विकास की समस्याएं।
- जनसंख्या का अध्ययन सिद्धांत अल्प विकसित देशों में जनसंख्या समस्या सहित समसामयिक जनांकिकीय स्थिति का विश्लेषण।
- भारत में जनांकिकीय विशेषताओं का अध्ययन/इसका आर्थिक विकास पर प्रभाव, भारत की जनसंख्या नीति में प्रजनन शक्ति, वैवाहिक आयु, भारत में शिशु मृत्यु दर परिवार नियोजन संबंधी कानून।
- भारत की जनसंख्या, मध्यप्रदेश की जनसंख्या, भारत में 2001 की जनगणना, भारत की राष्ट्रीय जनसंख्या नीति।
- विभिन्न जनांकिकीय उपाय, जन्म दर, सकल जनन दर, शुद्ध जनन दर, शिशु महिला अनुपात दर, जीवन सारणी, जनसंख्या प्रक्षेपण की विधियों का अध्ययन।

सहकारिता तथा सामुदायिक विकास

- सहकारिता-अर्थ तथा दर्शन, पूंजीवाद तथा समाजवाद की सहकारिता से तुलना, सहकारिता के सिद्धांत।
- भारत में सहकारिता आंदोलन-भारत में सहकारिता आंदोलन का विकास साख, विपणन, उत्पादन तथा वितरण गृह तथा अन्य क्षेत्रों के संबंध में आंदोलन की वर्तमान स्थिति, सहकारिता विकास का क्षेत्रीय स्वरूप।
- भूमि विकास सहकारी बैंकिंग, पुनर्वित्त व्यवस्था, ग्रामीण साख के क्षेत्र में विभिन्न एजेंसियों का कार्य निष्पादन, भारत में सहकारिता आंदोलन का मूल्यांकन पंचवर्षीय योजनाओं में सहकारिता।
- एकीकृत ग्रामीण विकास, स्थानीय कार्यात्मक एकीकरण। संवृद्धि केन्द्र, ग्रामीण नगरीय क्रिया प्रतिक्रिया। विकेन्द्रीकृत योजना तथा सामुदायिक विकास में ग्राम पंचायत की भूमिका।

कृषि अर्थशास्त्र-

- कृषि का स्वरूप, आगतों का संयोजन, खेती का पैमाना, कृषि का स्वरूप, गहन कृषि के निर्धारक तत्व, जोत का आकार एवं उत्पादकता की स्थितियां बढ़ती हुई और घटती हुई लागतों के साथ।
- उत्पादन कार्य प्रबंध, आधुनिक एवं परम्परागत साधन, कृषि में तकनीकी का चुनाव, विकासशील अर्थशास्त्र में कृषि मूल्य नीति, समर्थन मूल्य, संरक्षण मूल्य, बाजार मूल्य, मूल्य में स्थिरीकरण, कीमतों में समानता, कृषि व्यापार की शर्तें, भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था तथा सुरक्षा।
  कृषि उत्पादकों का विपणन, क्रय-विक्रय अधिशेष।
- कृषि का आधुनिकीकरण तथा विकेन्द्रीकरण हरित क्रांति तथा इसका रोजगार आय तथा क्षेत्रीय संवृद्धि पर प्रभाव।
- कृषि भूमि संरचना, भारत में भूमि सुधार की प्रगति तथा भूमिहीन मजदूरों, लघु तथा सीमांत किसानों की समस्याएं।
- ग्रामीण बेरोजगारी, नीति उपायों का मूल्यांकन।
- कृषि साख- वाणिज्यिक बैंक, सहकारी बैंक, ग्रामीण क्षेत्रीय बैंक, भूमि विकास बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास बैंक की भूमिका।
- पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि।

Annexure-"B"

Assistant Director/District Statistical Officer Written Examination

Syllabus of Economics

Paper-III (Optional)

Section-"A"

Theory and process of Economic Growth.

- Meaning and measurement of economic growth GNP vs. welfare controversy.
- Growth classical model Sumpiter Rewtowin Stages of economic growth.
- Model of Hirsmchman, Leibenstein, Rodan Gunnar Myrdal, and Harrod & Domar.
- Mahalnobis Model, Wage goods models, neoclassical-Mrs. Joan Robinson, Meads and Kaldor models.
- Principles of Planning : Determination of targets resource allocation and investment criteria, the concept of shadow pricing, Regional planning physical balancing and consistency in planning.

Regional Economics :

- Definition and scope of regional economics.
- The concept and types of regions.

Theories of regional growth sector, theory Gunnar Myrdals cumulative causation/theory export base and regional multiplier convergence vs. divergence.

Location theory- Von thuenen webber, Central place theory of Lesch and Christillar.

Agglomeration economics, types and measurement concentration vs. dispersal.

Regional income, regional accounting.

Economics of Public Sector Undertakings.

The concept of public sector, its place capitalist and socialist system role of public enterprise in economic development.

Types of public enterprise and pattern of development the joint sector, the national sector.

Organisational pattern of public enterprises, statutory corporations, joint stock companies, joint ventures single. Unit and multi unit companies, holding company.

Financing of public enterprise Internal and external resources, debt equity ratio capital formation, inventory build up price policy.

Industrial relation in public sector trade unions single and multi unit companies, problem of recognition, collective bargaining productivity Incentives in public sector enterprise, wage and salary structure and fringe benefit, non monetary benefits.

I Public sector enterprise in India, growth of public sector in India the industrial policy resolution of 1948 and 1956 mixed economy and public sector enterprises objectives of public sector.

Industrial Policy of 1991-Globalisation, Privatisation, Liberalization

Theory and Practice of Statistics

Scope and utility of statistics enumeration, compilation and tabulation of data.

Averages, dispersion, Graphics co-efficient of Variation, Regression correlation.

Analysis of time series forecasting of fluctuation of phenomena. Methods of measuring and forecasting of population growth theory of sampling and Elementary principle of probability, Importance of Statistics in India.

CSO data of the population, National Income NSSO.

Part - B

Economic Problems of India

Structure of India Economy as revealed by National statistics saving and investment behavior in India economy.

Agricultural developments in India, Growth rates Modern technology and its impact on Income, employment and regional growth Land reforms, Agricultural price policy.

Agricultural surplus and its mobilization procurement and public distribution of food grains, Strategy for Integrated rural development.

Industrial development in India, Growth rates, Industrial structural, industrial policy and its Instruments, Industrial finance, industrial sickness capacity utilization, performance of public sector undertakings, Rural industrialization.

Poverty and unemployment in India, Evaluation of Policy measures, Recent trends in monetary and banking policy in India.

I fiscal policy in India Central/State financial relations.

Population Studies

Scope and discipline of demography

trends in world population, population and food supply, problem of world population and economic development.

A study of population theory and analysis of contemporary demographic situations including in demographic problem of under developed countries.

A study of demographic features in India and its impact economic development, population policy of India, Indian fertility, age of marriage infant mortality in India legislation regarding family planning in India.

Population in India Population of M.P. Population census of India, 2001, National Population Policy for India.

Different demographic measurements Birth rate gross reproduction rate, net reproduction rate, child women ratio, life table A study of methods for population projection.

Co-operation and Community Development

Cooperation-meaning and philosophy A Comparison of cooperation with capitalism and socialism principles of cooperation.

Indian cooperative movement : Evolution of cooperative Movement in India, Present position of the movement in relation to credit, marketing production and distribution housing and other fields. Regional pattern of cooperative development in India.

Land development Cooperative banking refinance performance of different agencies in the field of agricultural credit.

An evaluation of cooperative movement in India cooperation in five year plans.

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

1. Integrated rural Development spatial and functional Integration.

2. Growth Centers Rural urban interaction.

3. Role of Village Panchayats in decentralized planning and community development.

Economics of Agriculture

Organisation of agriculture, Input combinations scale of farming cropping pattern factors Determining cropping intensity, Farm Size and Productivity conditions of increasing and productivity conditions of increasing and decreasing costs.

Management production functions, Modern and traditional inputs Choice of techniques in agriculture.

Agricultural Prices agriculture price policy in a developing economy, minimum support price procurement price and market price stabilization parity prices terms of trade of agricultural Sector Public distribution system of food grains and procurement in India.

Marketing of agricultural products marketed surplus and marketable surplus.

Modernisation and diversification of agriculture, Green Revolution and its impact on income employment and regional growth.

Agrarian structure land, Reforms in India progress made problems of Landless laborers Small and marginal farmers.

Rural Unemployment evolution of policy measure.

Agricultural credit Role of commercial banks, cooperative banks rural regional banks land development banks, Reserve Bank of India and National Agricultural Bank for Rural Development.

Agriculture in Five year plans.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी
लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम-समाज शास्त्र

प्रश्नपत्र-तृतीय (ऐच्छिक)

खण्ड-अ

सामाजिक अनुसंधान तथा सांख्यिकी

इकाई एक :-

l सामाजिक घटनाओं की प्रकृति।
l सामाजिक अनुसंधान का अर्थ एवं प्रकार।
l सामाजिक अनुसंधान के प्रमुख चरण।
l अनुसंधान समस्या का चयन तथा निरूपण।
l सामाजिक अनुसंधान की उपयोगिता।
l सामाजिक सर्वेक्षण का अर्थ एवं प्रकार।
l सर्वेक्षण के लाभ एवं सीमाएं।
l सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसंधान में अंतर।

इकाई दो :-

l वैज्ञानिक पद्धति, उपकल्पना तथ्य एवं सिद्धांत की अवधारणा तथा अन्तर्संबंध। तथ्यों के स्रोत। निदर्शन।

इकाई तीन :-

l तथ्य संग्रहण की प्रविधियाँ, अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची, व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति, अनुमापन प्रविधियाँ, अन्तर्वस्तु विश्लेषण।

इकाई चार :-

l आंकड़ों का संपादन, संकेतन वर्गीकरण, सारणीकरण, विश्लेषण तथा निर्वचन, प्रतिवेदन तैयार करना।

इकाई पांच :-

l तथ्यों का चित्रमय प्रदर्शन, प्रारंभिक सांख्यिकी, माध्य, मध्य बहुलांक। माध्य विचलन, चतुर्थांश विचलन, प्रमाप विचलन, सह संबंध सहचर्य।

सामाजिक मनोविज्ञान

इकाई एक :-

l सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति एवं क्षेत्र, समाज शास्त्र एवं सामाजिक मनोविज्ञान का संबंध, व्यक्ति एवं समाज। व्यक्तित्व- स्वरूप, विशेषताएं एवं प्रकार।

इकाई दो :-

l सामाजिक व्यवहार के व्यक्तिगत घटक, मूल प्रवृत्तियां अभिप्रेरणा, अनुकरण, सुझाव एवं सहानुभूति मानव सीखना।

इकाई तीन :-

l संस्कृति एवं व्यक्तित्व सामाजीकरण- अर्थ, प्रक्रिया एवं सिद्धांत। विवेक एवं संकल्प।

इकाई चार :-

l सामूहिक व्यवहार, समूहमन की अवधारणा, भीड़, श्रोता समूह, जनता एवं जनमत, प्रचार, पूर्वाग्रह, नेतृत्व, फैशन।

इकाई पांच :-

l प्रेस की स्वतंत्रता, तनाव एवं संघर्ष, क्रांति एवं युद्ध का मनोविज्ञान।

सामाजिक जनांकिकी

इकाई एक :-

l जनांकिकी की परिभाषा, अर्थ एवं विषय-क्षेत्र, जनसंख्या के सिद्धांत- माल्थस एवं नव माल्थसवाद के सिद्धांत, अनुकूलतम जनसंख्या का सिद्धांत, कार्लमार्क्स का जनसंख्या संबंधी सिद्धांत, जनसंख्या के प्राणी-शास्त्रीय सिद्धांत।

इकाई दो :-

l जनगणना, विभिन्न जनगणना के संदर्भ में भारतीय जनसंख्या की मुख्य विशेषताएं। अधिक जनसंख्या एवं कम जनसंख्या की समस्याएं भारत में जनसंख्या विस्फोट की समस्या।

इकाई तीन :-

l भारत में स्वास्थ्य का स्तर, स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले मुख्य सामाजिक कारक, भारत में जनस्वास्थ्य संबंधी समस्याएं एवं उनका निराकरण। भारत में जनस्वास्थ्य संगठन, भारत में मातृत्व एवं उससे संबंधी समस्याएं, बाल कल्याण।

इकाई चार :-

l भारत में जनसंख्या नीति एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम, सुप्रजनन विश्व जनसंख्या।

इकाई पांच :-

l जन्मदर एवं प्रजननता, मृत्युदर, देशान्तरण, जनसंख्या एवं साक्षरता, जनसंख्या एवं जीवन स्तर।

योजना एवं विकास का समाज शास्त्र

इकाई एक :-

l सामाजिक नियोजन की अवधारणा, उद्देश्य एवं क्षेत्र, लोक तांत्रिक योजना एवं सर्वाधिकारी योजना।

इकाई दो :-

l जनकल्याण की अवधारणा एवं कल्याणकारी राज्य। आर्थिक कार्यों का समाज शास्त्रीय आधार, आर्थिक आंदोलनों एवं व्यवस्थाओं के व्यापक प्रतिमान एवं उनकी समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि।

इकाई तीन :-

l भारत में नौकरशाही एवं पंचवर्षीय प्रजातांत्रिक योजनाएं। भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की समस्याएं। पंचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था।

इकाई चार :-

l **सामुदायिक विकास योजना-** अवधारणा एवं पद्धति, भारत एवं अन्य देशों में सामुदायिक विकास कार्यक्रम का इतिहास एवं प्रगति, सामुदायिक विकास योजना का संगठन। वर्तमान में सामुदायिक विकास योजना के अंतर्गत चलाये जा रहे कार्यक्रम (म.प्र. के संदर्भ में) ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता तथा उसकी भूमिका।

इकाई पांच :-

l सामाजिक विकास में मानवीय एवं सांस्कृतिक कारक, कार्यक्रम की सफलता एवं असफलता का मूल्यांकन, इसका भारतीय सामाजिक जीवन पर प्रभाव, भूत लक्षी तथा भविष्य लक्षी सामुदायिक विकास कार्यक्रम।

समाज शास्त्र

खण्ड-ब

उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत

इकाई एक :-

l समाजशास्त्रीय सिद्धांत का अर्थ एवं विशेषताएं, सिद्धांत के तत्व, इसके निर्माण के बुनियादी आधार, समाजशास्त्रीय सिद्धांतों के प्रकार। मध्य अभिसीमा (Middle Range) के सिद्धांत।

इकाई दो :-

l प्रकार्य तथा अकार्य, सामाजिक संरचना एवं प्रकार्यवाद का सिद्धांत। सामाजिक क्रिया सिद्धांत-पैरेटो, वेबर एवं पारसंस।

इकाई तीन :-

l सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत, सामाजिक गतिशीलता, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण एवं आधुनिकीकरण संदर्भ समूह व्यवहार।

इकाई चार :-

l ज्ञान का समाजशास्त्र, धर्म का समाजशास्त्र, मूल्यों का समाजशास्त्र कानून का समाजशास्त्र।

इकाई पांच :-

l विसंगति, पृथक्करण, अनुरूपता, विचलन एवं संघर्ष का सिद्धांत।

परिवार तथा समाज

इकाई एक :-

l परिवार तथा विवाह, विवाह के उद्देश्य, विवाह के स्वरूप, विवाह संबंधी प्रतिबंध।

इकाई दो :-

l परिवार की परिभाषा, प्रकार, प्रकार्य, परिवार का समाजशास्त्रीय महत्व, परिवार के बदलते प्रतिमान।

इकाई तीन :-

l परिवार के सदस्यों के बीच अन्तर्वैयक्तिक संबंध, नातेदारी व्यवस्था, परिवार का विघटन एवं समायोजन।

इकाई चार :-

l बालक की आवश्यकताएं एवं बाल अधिकार, किशोर एवं समाज, युवा असंतोष, पीढ़ियों के मध्य संघर्ष।

इकाई पांच :-

l भारत में परिवार-हिन्दू मुस्लिम एवं ईसाई परिवार। भारत में परिवार एवं विवाह को प्रभावित करने वाले सामाजिक कानून।

औद्योगिक समाजशास्त्र

इकाई एक :-

l औद्योगिक समाजशास्त्र का अर्थ एवं प्रकृति, उद्योग एवं औद्योगीकरण एवं उसके सामाजिक परिणाम, समाज में कार्य, कार्य में मानवीय संबंध।

इकाई दो :-

l औद्योगिक प्रबन्ध प्रोत्साहन एवं अभिप्रेरणा। मजदूरी- न्यूनतम मजदूरी, न्यायपूर्ण मजदूरी एवं जीवन मजदूरी, लाभ अंशभागिता एवं सहभागिता, औद्योगिक प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी।

इकाई तीन :-

l पूंजीवाद, समाजवाद, साम्यवाद, भारत में श्रमिक संघ।

इकाई चार :-

l औद्योगिक श्रमिकों की समस्याएं, ऋणग्रस्तता, महिला एवं बालश्रम, बेरोजगारी की समस्या, बोनस की समस्या

इकाई पांच :-

l सामाजिक सुरक्षा, भारत में सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, भारत में श्रम संबंधी नियम, भारत में श्रम कल्याण।

ग्रामीण तथा नगरीय समाजशास्त्र

इकाई एक :-

l ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ एवं क्षेत्र, भारतीय ग्राम की मुख्य विशेषताएं।

इकाई दो :-

l ग्रामीण सामाजिक संरचना- जाति, परिवार तथा विवाह, सामाजिक संस्तरण एवं शक्ति संरचना लोक संस्कृति, आदिम संस्कृति तथा सभ्यता, भारतीय ग्रामों के परिवर्तित दृश्य।

इकाई तीन :-

l भारतीय ग्रामीण जीवन की मुख्य समस्याएं, भारत में ग्रामीण पुनर्निर्माण की योजनाएं, पंचायती राज, वर्तमान कल्याणकारी योजनाएँ।

इकाई चार :-

l नगरीय समाज शास्त्र का अर्थ एवं क्षेत्र, नगर की अवधारणा एवं प्रकार, नगरीय जीवन की विशेषताएं, नगरीकरण एवं औद्योगीकरण, नगरीय व्यक्तित्व।

इकाई पांच :-

l नगरीय जीवन की मुख्य समस्याएं- आवास एवं गंदी बस्तियाँ, अपराध एवं बाल अपराध, वेश्यावृत्ति, पर्यावरण प्रदूषण, नगर नियोजन, नगर के क्षेत्रीय विभाजन।

Assistant Director/District Statistical Officer Written Examination

Syllabus of Sociology

Paper-III (Optional)

Part-A

Social Research and Statistics

Unit-I :-

l The nature of social phenomena.
l Meaning and types of social research.
l Main steps of social research.
l Selection and formulation of research problem.
l Uses of social research.
l Meaning and types of social Survey.
l Uses and limitations of social Survey.
l Differences between social research and social Survey.

Unit-II :-

l Scientific method Hypothesis, concepts of fact and theory and interrelation, sources of data, sampling.

Unit-III :-

l Methods of Data collection- observation, Interview, questionnaire, schedule, case study, sealing techniques, content analysis.

Unit-IV :-

l Editing Coding and classification of data, Tabulation, analysis and interpretation, preparation of reports.

Unit-V :-

l Diagrammatic presentation of data, Elementary statistics Mean, Median, Mode, Mean deviation, Quartile deviation, standard deviation, correlation, association.

Social Psychology

Unit-I :-

l Nature and scope of social psychology relationship between sociology and social psychology, Individual and Society, Personality nature, characteristics and types.

Unit-II:-

l Individual factors in social behaviour, Instincts, motivation, imitation, suggestion and sympathy, human learning.

Unit-III :-

l Culture and personality, Socialisation-Meaning, process and theories, reason and will.

Unit-IV :-

l Collective behaviour, concept of Group mind, Crowd, Abaudience, Public and Public Opinion, Propaganda, prejudice, leadership, fashion.

Unit-V :-

l Freedom of press, Tension and Conflict, Psychology of revolution and war.

Social Demography

Unit-I :-

l Definition, meaning and scope of demography, population theories, Malthusian theory, New Malthusian theory, Theory of optimum population, Population theory of Karl Marx, Biological theories of population.

Unit-II :-

l Census, Characteristics of Indian Population with reference

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

to different censuses. Problems of over population and under population, Problem of Population explosion in India.

Unit-III :-

- Standard of Health in India, Social factors affecting health, Problems related to Public health in India and its remedies, Public health organization in India, Maternity and problems related to it in India, child welfare.

Unit-IV :-

- Population policy and family welfare programme in India, Eugenie's world population.

Unit-V :-

- Birth rate and Fertility, Mortality, Migration, Population and literacy, population and standard of life.

Sociology of Planning and Development

Unit-I :-

- Concept of social planning, objectives and scope of planning, democratic and totalitarian planning.

Unit-II :-

- Concept of welfare and welfare state, Sociological foundation of economic actions, Broad pattern of economic movements and systems and their sociological background.

Unit-III :-

- Bureaucracy and the democratic planning of Five year plans in India. Problem of Democratic decentralization in India. Three tier system of Panchayati Raj.

Unit-IV :-

- Community Development : Concept and methods, History and progress of community development programmes in India and abroad, Organization of community Development programmes, Programmes conducted under community development at present (with reference to Madhya Pradesh) village level worker and his role.

Unit-V :-

- Human and Cultural factors in Community Development, Evaluation of success and failure of the Programme, Its impact on Indian Social life, community development programme in retrospect and prospect.

Sociology
Part - B
Advanced Sociology Theory

Unit-I:-

- Meaning and characteristics of sociological theory, Elements of theory, Basic elements in its formation. Types of Sociological theories, Middle Range theory.

Unit-II :-

- Function and dysfunction, Theory of Social structure and functionalism. Theory of Social Action- Pareto, Webber and Parsons.

Unit-III :-

- Theories of Social Change, Social Mobility Sanskritization, Westernisation and Modernisation. Reference group behaviour.

Unit-IV :-

- Sociology of knowledge, Sociology of Religion, Sociology of values, Sociology of Law.

Unit-V :-

- Anomaly, Alienation, Theories of conformity, deviance and conflict.

Family and Society

Unit-I :-

- Family and Marriage, objectives of marriage, forms of marriage, marriage restrictions.

Unit-II :-

- Definition of family, types, functions, sociological significance of family, changing patterns of family.

Unit-III :-

- Inter personal relations between family members, kinship system, Family disorganisation and adjustment.

Unit-IV :-

- Needs of children and rights of children, Adolescents and society, youth unrest, Intergenerational conflict.

Unit-V :-

- Family in India - Hindu, Muslim and Christian Family, Social legislations affecting family and marriage in India.

Industrial Sociology

Unit-I :-

- Meaning and nature of Industrial Sociology, Industry and Industrialization and its social impact, works in society, Human relations at work.

Unit-II :-

- Industrial management, Incentive and motivation, wages- minimum wages, fair wages and living wages, profit sharing and co-partnership, workers participation in management.

Unit-III :-

- Capitalism, Socialism, Communism, Trade unions in India.

Unit-IV :-

- Problems of Industrial labour- Indebtedness, child and women labour, problem of unemployment, the issue of Bonus.

Unit-V :-

- Social Security, Programmes of social security in India, Labour legislation in India, labour welfare in India.

Rural and Urban Sociology

Unit-I :-

- Meaning and scope of Rural sociology, Important characteristics of Indian village.

Unit-II :-

- Rural Social Structure-Caste, Family and marriage, social hierarchy and power structure, Folk culture, primitive culture and civilisation, changing scene of Indian Villages.

Unit-III :-

- Important problems of Indian rural life- programmes of rural reconstruction in India, Panchayat Raj, Welfare Schemes of present day.

Unit-IV :-

- Meaning and scope of urban sociology, concept of city and types, characteristics of urban life, Industrialization and urbanization, urban personality.

Unit-V :-

- Important problems of urban life-Housing and slums, crime and Delinquency, prostitution, environmental pollution, town planning, zoning of cities.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी लिखित परीक्षा
पाठ्यक्रम-कृषि अर्थशास्त्र
प्रश्नपत्र-तृतीय (ऐच्छिक)
खण्ड - अ

इस प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे। प्रत्येक भाग में दो खण्ड होंगे। परीक्षार्थी को कुल मिलाकर पांच प्रश्न हल करने होंगे और चारों खण्डों से प्रत्येक में कम से कम एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न 30 अंक का होगा तथा इस प्रकार प्रश्न पत्र 150 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र की समयावधि तीन घंटे होगी पाठ्य विवरण निम्नानुसार होगा।

भाग - एक

खण्ड-एक : व्यष्टि अर्थशास्त्र

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों में घटक। उपभोक्ता व्यवहार के सिद्धांत : उपयोगिता की अवधारणा उपयोगिता फलन। अधिकतम उपयोगिता के आगमन का विश्लेषण, सीमायें एवं प्रयोज्यता। मांग के सिद्धांत एवं मांग की लोच। पूर्ति फलन एवं पूर्ति की लोच। उत्पादन फलन, उत्पादन का मापक्रम साधनों के नियतन का इष्टतम संयोग। लागत फलन एवं विभिन्न प्रकार की लागतों का उत्पाद से संबंध। फर्म के इष्टतम व्यवहार के मूल सिद्धांत। विभिन्न प्रति स्पर्धी संरचना वाले बाजार में मूल्यों का निर्धारण। साधनों के मूल्यों (लगान, मजदूरी, ब्याज एवं लाभ) का निर्धारण। कल्याणकारी अर्थशास्त्र। सामाजिक कल्याण के विभिन्न सिद्धांत।

खण्ड-दो समष्टि अर्थशास्त्र-

समष्टि अर्थशास्त्र के तत्व। राष्ट्रीय आय की अवधारणा एवं इसका मापन कार्य। आर्थिकी की सामान्य संतुलन प्रणाली। मुद्रा मजदूरी, मूल्य, उत्पादन, रोजगार, निवेश एवं ब्याजदर के पारम्परिक शास्त्रवादी (क्लासिकल) एवं आधुनिक सिद्धांत। आय एवं रोजगार के सिद्धांतों की कीन्स एवं कीन्स पश्चात धारणाएं। बहुमुखी बाजार की आर्थिक प्रणाली में आय निर्धारण के सिद्धांत। पूर्ण रोजगार एवं मुद्रास्फीति का अन्तर। गुणांक एवं त्वरायिक विश्लेषण, मौद्रिक एवं राजकोषीय वित्तीय कर संबंधी नीतियां। बंद एवं खुली अर्थव्यवस्था के संदर्भ में मौद्रिक विश्लेषण।

भाग-दो

खण्ड-एक : कृषि वित्त

कृषि क्षेत्र में वित्त की समस्याएं एवं संभावनाएं। कृषि में पूंजी की आवश्यकता एवं उसके स्रोत। पूंजी नियोजन के सिद्धांत एवं आंकलन के विभिन्न मापदंड (कटौती एवं बगैर कटौती) के मापदण्डों के अनुसार) कृषि एवं ग्रामीण विकास में कृषि साख की भूमिका। सुरक्षित साख प्रबंधन प्रणाली के उद्देश्य एवं सिद्धांत (कृषि साख के तीन 'आर' (R) एवं तीन 'सी' (C)। कृषि साख की नीतियां एवं कृषि साख के प्रस्तावों का तकनीकी साध्याता एवं आर्थिक व्यवहार्यता का आंकलन। विभिन्न कृषि साख समितियों के कृषि साख एवं निवेश के प्रतिवेदन का पुनः अवलोकन। सरकारी, निजी बैंक एवं सहकारिता क्षेत्र की कृषि वित्त में भूमिका (व्यवसायिक बैंक, नाबार्ड, गैर सरकारी संगठनों एवं अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों) कृषि साख की मांग एवं पूर्ति अन्तर का विश्लेषण। कृषि साख में जोखिम एवं अनिश्चितता को परिहार करने के लिये बीमा अभिकरणों की भूमिका।

खण्ड-दो : कृषि वृद्धि एवं विकास

वृद्धि एवं विकास की अवधारणा। विकास के आगमन की धारणा, परम्परागत शास्त्रविद, नवपरम्परागत शास्त्रीय एवं आधुनिक। कृषि वृद्धि एवं विकास के निर्धारक। वृद्धि की विभिन्न प्रतिकृतियां (मॉडल) परम्परागत शास्त्रविदि, (एडमस्मिथ, रिकार्डो, जे.बी.से), नवपरम्परागत शास्त्रीय (मार्क्स, लेविस, रोस्टोव, शुम्पीटर कीन्स) एवं आधुनिक (हरूड-डोमर, सेमुलसन, महालोनोबिस, राजकृष्णा, अर्मत्य सेन व अन्य), जनसंख्या रोजगार एवं निर्धनता का संबंध, जनसंख्या वृद्धि एवं पूंजी निर्माण, प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक वृद्धि, आर्थिक विकास में कृषि क्षेत्र की भूमिका। कृषि वृद्धि, आजीविका संरक्षण, एवं सतत् विकास की सहलग्नता। विकसित देशों (यू.एस.ए. इजरायल, जापान एवं अन्य) एवं विकासशील देशों (चीन, भारत, मलेशिया एवं अन्य) में कृषि विकास का पुनर्अवलोकन। वेश्वीकरण एवं डब्ल्यू.टी.ओ. का भारत के कृषि विकास पर प्रभाव (विशेषतः कृषि अनुबंध एवं ट्रिप्स के संदर्भ में) इसके नुकसान एवं फायदे। नियोजित कृषि विकास में अधोसंरचना, कृषि प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास, संस्थागत विकास, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी एवं वाणिज्य में सरकारी प्रयास।

कृषि अर्थशास्त्र
खंड - ब

इस प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे। प्रत्येक भाग के दो खण्ड होंगे। उम्मीदवार को कुल मिलाकर पाँच प्रश्न हल करने होंगे और चार खण्डों में प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न हल करना होगा। प्रत्येक प्रश्न 30 अंकों का होगा तथा इस प्रकार प्रश्न पत्र 150 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र की समयावधि तीन घंटे होगी। पाठ्य विवरण निम्नानुसार होगा।

भाग-एक

खण्ड-एक : प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण एवं सतत् विकास का अर्थशास्त्र

प्राकृतिक संसाधनों की परिभाषा, विशिष्टताएं एवं वर्गीकरण। प्राकृतिक संसाधनों का वैश्विक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य एवं उनका उपयोग। प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण का अर्थशास्त्र : अवधारणा एवं महत्व। प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में समस्याएं एवं नियोजन तथा नीति निर्धारण में अर्थशास्त्र की भूमिका। सार्वजनिक संपदा संसाधन : पुनः उपयोग में लाये जाने योग्य तथा दुबारा न उपयोग में लाये जाने वाले प्राकृतिक संसाधनों का समयानुसार एवं स्थानीयनुसार विश्लेषण। प्राकृतिक संसाधनों की गणना (जी.आई.एस.) (GIS) रिमोट सेन्सिग (Remote Sensing), आर.आर.ए. (R.R.A.) एवं पी.आर.ए. (P.R.A.) प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास एवं पुनः प्रतिस्थापित करने की प्रक्रिया एवं इनका आर्थिक प्रभाव। दुष्प्रभावशाली अविशिष्ट पदार्थों का पर्यावरण पर प्रभाव एवं अविशिष्ट पदार्थों का दक्ष प्रबंधन। प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन एवं विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के लिये वैश्विक एवं राष्ट्रीय नीतियां। सतत् विकास की अवधारणा। बाजार संगठन एवं कार्य प्रणाली में सुधार हेतु सरकार द्वारा किये गये प्रयास। कृषि विपणन में सरकारी एवं निजी क्षेत्रों की सहभागिता।

खण्ड-दो : कृषि उत्पादन अर्थशास्त्र

कृषि उत्पादन की मूल अवधारणा। आदानों एवं उत्पादों के संयोग एवं इनसे सम्बन्धित आर्थिक नियम (उत्पाद-उत्पाद, आगत-उत्पाद एवं आगत-आगत का सम्बन्ध) एवं इष्टतम व्यवहार। विभिन्न प्रकार के उत्पादन, फलन, उनकी विशिष्टताएं एवं उपयोगिताएं। प्रतिफल के पैमाने, उत्पादन के संकेतक। प्रौद्योगिकी परिवर्तन एवं अपघटित विश्लेषण का मापक्रम। कृषि उत्पादन के पूर्वानुमान एवं पूर्ति विश्लेषण। कृषि उत्पादन में जोखिम एवं अनिश्चितता एवं उनको कम करने के मापन विधियाँ।

भाग-दो

खण्ड-एक : कृषि विपणन

कृषि विपणन : अवधारणा एवं विशिष्टताएं। कृषि विपणन की समस्याएं एवं संभावनाएं। कृषि बाजार की संरचना, (नियंत्रित एवं सहकारी) कार्य संचालन एवं निष्पादन का विश्लेषण। कृषि विपणन के कार्य एवं आगत एवं उत्पादों के विपणन हेतु विभिन्न माध्यम (चेनल्स)। विपणन, लागत, लाभ एवं दक्षता। विपणन योग्य अधिवय एवं विपणन आधिक्य तथा उनके निर्धारक। कृषि, विपणन में पूर्ववर्ती एवं उत्तरावर्ती सहलग्नता। बाजार का समाकलन, समस्तरीय एवं उर्ध्वता, बाजार, विभिवतीकरण, बाजार नियोजन, अनुसंधान, बाजार एवं बाजार आसूचना (इंटिलेजेनस सर्विस) सेवाएं।

खण्ड-दो : कृषि मूल्य

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि मूल्यों की अवधारणा एवं कार्य। उत्पादन एवं मूल्यों का अन्तरसम्बन्ध। पूर्ति अनुक्रियता विश्लेषण। कृषि आगत एवं उत्पादन मूल्य नीतियों की प्रतिकृतियां (काब-वेब, राजकृष्णा एवं नेरोलियन प्रतिकृति एवं अन्य)। विभिन्न बाजार संस्थाओं में कृषि उत्पाद मूल्यों का निर्धारण (नियंत्रित सहकारी, कारपोरेट एवं अनुबंधित संस्थाएं)। भारत में कृषि आगत एवं उत्पाद मूल्य नीति। भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पाद के न्यूनतम समर्थन मूल्यों के निर्धारक कारक। कृषि मूल्यों का समय श्रेणी विश्लेषण, झुकाव (ट्रेड), चक्रीय, मौसमी, दीर्घकालिक एवं संयोगिक उतार-चढ़ाव। मूल्यों के स्थिरीकरण हेतु संरक्षित (हेजिंग), सट्टा एवं उत्तरावर्ती व्यापार की भूमिका।

Assistant Director/District Statistical Officer
Written Examination
Syllabus of Agriculture Economics
Paper-III (Optional)
Part-I

Section-I. MICRO ECONOMICS

Components of micro-economic theory, Theory of consumer behaviour : Utility Concept, Utility Functions, Maximization of Utility an analytical approaches, limitations and applications. Demand theory and elasticity of demand. Supply function and elasticity of supply. Production functions, scale of production, resource allocation and optimum combinations of inputs, Cost functions and relationship of different costs with output. Basic theory and optimization behaviour of the firms. Price determination under different competitive market structures. Price discrimination. Pricing of inputs (rent, wages, interest, profit), Welfare economics, different theorem of social welfare.

Section-II. MACRO ECONOMICS

Elements of Macro economics, Concepts of National Income and its measurements. General equilibrium system of the economy. Classical and modern theories of money, wages, prices, production, employment, investment and interest rate. Keynesian and post Keynesian approach to income and

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

employment theory. Theory of income determination under multiple market economic system, Concept of full employment and inflation gap. Multiplier and accelerator analysis, Monitory and fiscal policies. Monitory analysis in the context of open and close economies.

Part-II

Section-I. AGRICULTURAL FINANCE

Problems and prospects of finance for agricultural sector, Capital requirement in agriculture and its sources. Principles of capital investments and different measures for estimation (discounting and non-discounting measures). Role of credit in agricultural and rural development. Objectives and principles (three Rs and Cs of credit) of sound credit management system. Agricultural Credit Policy and estimation of technical feasibility and economic viability of credit proposals. Review of various credit committee's reports on rural credit and investments. Role of public, private banks and cooperative sector in agricultural financing (role of Commercial banks, NABARD, NGOs and International agencies). Demand-supply gap analysis of agriculture credit. Role of insurance agencies in averting risk and uncertainty for security of agricultural credit.

Section-II. AGRICULTURAL GROWTH AND DEVELOPMENT

Concept of Growth and Development, Development approaches: Classical, Neo-classical and modern. Determinants of agricultural growth and developments. Different Growth models, Classical (Adam Smith, Ricardo, J.B. Say), Neo Classical (Marx, Lewis, Rostow, Schumpeter, Konys) and Modern (Harrod and Domar, Samulson, Mahalnobis, Rajkrishna, Amartya Sen etc.). Nexus of Population, Employment and Poverty, Population growth, Capital formation, Technology and Economic growth. Role of Agriculture Sector in Economic development. Linkages in agriculture growth, livelihood security and sustainability. Review of agriculture development in developed (USA, Israel, Japan etc.) and developing countries (China, India, Malaysia etc.). Impact of globalization and WTO (specially Agreement on Agriculture & TRIPS) on Agriculture development in India. Its pros and cons. Government initiatives and policies for planned agricultural development covering infrastructures, agriculture technology, human resource development, institutional development and information and communication technology and commerce.

AGRICULTURAL ECONOMICS

Part-B

Part-I

Section-I. ECONOMICS OF NATURAL RESOURCES, ENVIRONMENT AND SUSTAINABILITY

Definition, characteristics and classification of natural resources. Global and national scenario of natural resources and their utilization. Natural Resources and environmental economics : concept and importance. Issues in natural resource management and role of economics in planning and policy formulation. Common Property Resources (CPRs); temporal and spatial analysis in use of renewable and non-renewable natural resources. Natural Resource accounting (GIS, Remote sensing, RRA, PRA). Natural resource degradation and its restoration methods and its economic impact. Hazardous waste and its affect on environment and efficient management of waste products. Global and national policies for Natural Resource Conservation, development and environmental protection. Concept of sustainable Agriculture Development.

Section-II. AGRICULTURE PRODUCTION ECONOMICS

Basic concept of agricultural production economics. Factor product combinations and related economic laws (product-product, product-factor and factor-factor relationship) and optimization behaviour. Various types of production functions, their characteristics and utilities. Return to Scale, indices of production, measurement of technology changes and decomposition analysis. Agriculture production forecasting and supply analysis. Risk and uncertainty in agricultural production and measures to mitigate risk and uncertainty.

Part-II

Section-I. AGRICULTURE MARKETING

Agriculture marketing : concept and characteristics. Problems and prospects of agricultural marketing. Agriculture market structure (regulated and cooperative) conduct and performance analysis. Marketing functions and marketing channels for different agricultural inputs and outputs. Marketing costs, margins and efficiency. Marketable and marketed surplus and their determinants. Backward and forward linkages in agriculture marketing. Market integration : horizontal and vertical. Market segmentation, market planning research and market intelligence services. Government initiative to improve the market organizations and operational structure. Public-Private partnership in agriculture marketing.

Section-II. AGRICULTURAL PRICES

Concept and function of agriculture prices in Indian economy, Interrelationship between prices and production. Supply response analysis, price policy models for agricultural input and output (Cob-web model, Rajkrishna, Narvolian model, etc.). Price determination for agricultural products under different marketing institutions (Regulated, cooperative, Corporate, Contractual etc.). Agriculture factor and product price policy in India. Determinants of Minimum support prices for agricultural products by GOI. Time series analysis of agricultural prices, Trend, cyclic, seasonal, secular, random fluctuations. Price stabilization : Role of hedging, speculation and forward trading.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी

लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम-वाणिज्य (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र-तृतीय

उन्नत व्यवसाय अर्थशास्त्र

इकाई एक : अर्थशास्त्र का स्वरूप तथा विषयवस्तु। विषय के सम्बन्ध में शास्त्रीय (क्लासिकि) तथा आधुनिक विचार, राबिन्स का योगदान तथा उसका समीक्षात्मक आंकलन। वस्तुपरक विज्ञान, मानवीय विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान तथा कला के रूप में अर्थशास्त्र। आर्थिक शब्दावली तथा सिद्धान्तवाद की समस्या। वयष्ठि (माइक्रो) तथा समष्टि मेक्रो अर्थशास्त्र अर्थ विज्ञान के पुनर्कल्पना की स्थिति। व्यवसाय से अर्थशास्त्र का सम्बन्ध।

इकाई दो : उत्पादन सम्बन्धी समस्याओं के व्यवसाय अर्थशास्त्र का क्षेत्र। प्रतिलाभ के नियम और उनका आकस्मिक तथा प्रभावी उत्पादक महत्व। जनसंख्या सिद्धान्त माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त, आप्टिमम सिद्धान्त और जैविक सिद्धान्त और उनका समीक्षात्मक आंकलन। भारत की जनसंख्या समस्याएं।

इकाई तीन : पूर्ण प्रतियोगिता के सिद्धान्त। पूर्ण तथा अपूर्ण बाजार। मूल्य निर्धारण तथा सामान्य मूल्य। वास्तविक लागत तथा नकद लागत। विकल्प लागत। मार्शल की प्रतिनिधि फर्म तथा पीगु की संतुलित (इक्विलिबिरियम) फर्म तथा उनका मूल्य सिद्धान्त में निहितार्थ। अपूर्ण प्रतियोगिता का सिद्धान्त व्यवसाय चक्र एवं व्यवसाय चक्र के सिद्धान्त। व्यवसाय चक्र के एकीकृत सिद्धान्त की समस्या।

इकाई चार : आर्थिक कल्याण तथा राष्ट्रीय लाभांश, राष्ट्रीय लाभांश तथा आर्थिक कल्याण के आकार तथा वितरण के बीच संबंध। राष्ट्रीय लाभांश तथा जनसंख्या।

इकाई पांच : कीन्स का रोजगार सिद्धान्त, मिश्रित अर्थव्यवस्था की संकल्पना रोजगार की समस्या।

आय कर

इकाई एक : आय कर अधिनियम तथा नियमों का निम्नलिखित विशिष्ट सन्दर्भ में विस्तृत अध्ययन : विभिन्न शीर्षकों के अधीन कुल आय का अभिकलन, हानियों का प्रतिसादन तथा अग्रयन।

इकाई दो : वैयक्तिक, हिन्दू अविभाजित परिवार, फर्म, कम्पनी, प्रतिनिधि निर्धारितों तथा अनिवासी का कर निर्धारण।

इकाई तीन : आय कर प्राधिकारी और उनकी शक्तियां, निर्धारण प्रक्रिया।

इकाई चार : संग्रहण, वसूली तथा प्रत्यार्पण, अपील और पुनरीक्षण तथा व्यवस्थापन आयोग कर देय का अभिकलन।

इकाई पांच : अपराध अभियोजना तथा दण्ड, अचल संपत्ति का अधिग्रहण, दोहरा कराधान राहत।

निगम वित्त

इकाई एक : संवर्धन की समस्याएं। वित्तीय योजना : अर्थ तथा प्राथमिक अवधारणाएं। पूंजीकरण के सिद्धान्त। अति-पूंजीकरण तथा अल्प-पूंजीकरण वित्त योजना प्रशासन।

इकाई दो : कार्यशील पूंजी का प्रवंध, कार्यशील का स्वरूप तथा विश्लेषण, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता का अनुमान वित्तीय योजना, कार्यशील पूंजी को प्रभावित करने वाले कारक, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता। नकद प्राप्त, माल सूची, कार्यशील पूंजी आवश्यकता की वित्त व्यवस्था की पद्धतियां, बैंक के ऋणों के समझौते, वित्तीय संस्थाएं।

इकाई तीन : दीर्घावधि पूंजी का प्रवन्ध, स्वामित्व के संबंध में पूंजी संरचना, नियंत्रण तथा जोखिम बनाम इक्विटी पर व्यापार, प्रतिभूतियों का मूल्य निर्धारण तथा विनियोजन, प्रतिभूतियों का जोखिम आंकलन, प्रतिभूतियों का प्रत्यर्पण तथा पुनः पूंजीकरण मूल्यांकन, भारत में पूंजी निर्गम का नियंत्रण, पूंजी व्यय, पूंजी लागत विनियोजन प्रबंध, प्रतिभूति विश्लेषण तथा बाजार प्रचालन।

इकाई चार : लाभ का प्रबन्ध, आय का प्रतिधारण, कर तथा मूल्य द्वारा प्रतिफल, लाभांश नीति, बोनस शेयर, आरक्षित निधियां, विस्तार संयोजन, सहयोग की समस्याएं।

इकाई पांच : भारतीय पूंजी बाजार, बैंक बीमा, औद्योगिक न्यास, वित्त निगम, शासन स्टाक बाजार।

वित्त निगम

इकाई एक : औद्योगिक इकाईयों की अवस्थिति तथा आकार, सैद्धांतिक विचार विमर्श, भारतीय उद्योगों में युक्तीकरण, भारत में औद्योगिक उत्पादकता की समस्या।

इकाई दो : भारत में उद्योग एक अध्ययन, वितरण, व्यवस्था एवं वित्त। लौह तथा इस्पात सूती वस्त्र, शक्कर तथा सीमेन्ट उद्योगों का प्रबन्ध तथा विकास।

इकाई तीन : निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में उद्योगों का प्रबन्ध, प्रबन्ध एजेन्सी पद्धति तथा उसका उन्मूलन। भारतीय उद्योगों में संयोजन आंदोलन। भारतीय में सार्वजनिक उपक्रमों में विदेशी सहभागिता।

इकाई चार : उद्योगों की वित्त व्यवस्था। भारत में वित्त के स्वरूप तथा विभिन्न एजेन्सियों के निर्माण का अध्ययन। भारत में औद्योगिक तथा राजकोषीय नीति।

इकाई पाँच : औद्योगिक श्रमिक, शासन की वर्तमान श्रमिक नीति, भारत में औद्योगिक प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी। भारत में औद्योगिक नियोजन की समस्याएं।

व्यवसाय सांख्यिकी

इकाई एक : सांख्यिकी आंकड़ों का संग्रहण, विश्लेषण तथा निर्वचन, लघुगणकीय चक्र तथा सांख्यिकी पर आधारित अभिमान प्रतिफल नियम दर्शाने वाले चक्र।

इकाई दो : सह-सम्बन्ध तथा समाश्रमण।

इकाई तीन : सहचर्य तथा प्रासंगिकता अंतर्वेशन तथा बर्टिवेशन की ग्राफीय बीज गणितीय तथा अन्य विधियां। सूचकांक बनाना।

इकाई चार : काल श्रेणी का विश्लेषण। आर्थिक घटनाक्रम में घट बढ़ का पूर्वानुमान लगाना। जनसंख्या वृद्धि के मापन तथा पूर्वानुमान लगाने की विधियाँ। प्रति चयन का सिद्धान्त, सामान्य वक्र तथा त्रुटि। प्रायिकता का प्रारंभिक सिद्धान्त। माध्य तथा चरों के बृहत प्रतिदर्शों, प्रतिदर्श, माध्य के अंतर की मानक त्रुटि।

इकाई पांच : भारत में सांख्यिकी का महत्व। भारत के सांख्यिकी की उपलब्धता तथा पर्याप्तता। भारत में और अधिक गहन तथा व्यापार अनुसंधान की आवश्यकता। भारत में शासकीय सांख्यिकीय संगठन। जनसंख्या, उत्पादन (कृषि तथा उद्योग), मूल्य मजदूरी, व्यापार, परिवहन तथा राष्ट्रीय आय संबंधी प्रकाशित भारतीय सांख्यिकी का अध्ययन। राष्ट्रीय प्रतिदर्शन सर्वेक्षण। औद्योगिक उत्पादन के संकेत।

श्रमिक संगठन तथा समाज कल्याण

इकाई एक : **ब्रिटिश श्रमिक आंदोलन-** श्रमिक संगठन, संरचना, कार्य तथा शासन औद्योगिक शांति, सुवह तथा माध्यस्थम।

इकाई दो : भारतीय श्रमिक, ग्रामीण पृष्ठभूमि, संबंध तथा प्रभाव भातीय की शर्तें, सुरक्षा, पदोन्नति, रोजगार कार्यालय, जनशक्ति बजट व्यवस्था, तकनीकी तथा शिक्षण के लिए व्यवस्था।

इकाई तीन : पारिश्रमिक की विधियां, मजदूरी, बड़े भारतीय उद्योगों में 1929-33 की आई भारी मंदी के समय में घट बढ़। न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण तथा मजदूरी के मानकीकरण के सिद्धान्त। वड़े उद्योगों में अनुप्रयोग। महंगाई भत्ता तथा बोनस के सिद्धान्त।

इकाई चार : श्रमिक संघ, विशेषताएं, इतिहास, भविष्य, औद्योगिक शांति कार्य, समितियां सुलह, माध्यस्थम तथा न्याय-निर्णय यंत्र।

इकाई पाँच : नगर निवेश, गृह निर्माण, ग्रामीण बस्ती, निर्माण कार्य, विनियम तथा सांख्यिकीय ब्यूरो। कल्याण गतिविधि तथा सामाजिक सुरक्षा संगठन, अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन, गठन तथा कार्य।

अनुसंधान प्रणाली विज्ञान तथा सर्वेक्षण

इकाई एक : विस्तार तथा परिभाषा, अनुसंधान की अवधारणा, अनुसंधान प्राविधियों के प्रकार, उपकरण वैधता, अनुसंधान अभिकल्प, मानसिक तथा अन्त-शास्त्रीय अनुसंधान, प्रयोगात्मक अनुसंधान, परियोजना, आर्थिक नीति के साधन के रूप अनुसंधान। वैज्ञानिक विधियाँ तथा प्राविधियाँ : वैज्ञानिक गवेषणात्मक स्वरूप, विज्ञान का अर्थ तथा परिभाषा। भौतिक, जैविक तथा सामाजिक विज्ञान। वैज्ञानिक विधि का अर्थ तथा परिभाषा। बुनियादी विधियाँ, आगमन तथा निगमन सादृश्य, ऐतिहासिक विधियाँ, केस विषय विधि, सांख्यिकी विधि, प्रयोगित विधि, अन्य विधियाँ। अनुसंधान की समस्या का चयन, आवश्यकतोन्मुखी अनुसंधान, समस्योन्मुखी अनुसंधान तथा प्राथमिकता, अनुसंधान विधि।

इकाई दो : अनुसंधान की समस्याओं का चयन, समस्या निरूपण के संक्रियात्मक उपागम, कार्य प्राक्कल्पना का विकास, अध्ययन की योजना तैयार करना, आंकड़ों का संग्रहण तथा विधायन, विश्लेषण और निर्वचन और परिणाम प्रस्तुत करना। अनुसंधान अभिकल्प तथा विश्लेषण : प्रस्तावना, अनुसंधान अभिकल्प का अर्थ, अनुसंधान अभिकल्प के आवश्यकता, अनुसंधान में अभिकल्प की समस्याएं, अनुसंधान अभिकल्प के सोपान तथा घटक विधि अभिकल्प, प्रतिदर्श अभिकल्प विश्लेषण अभिकल्प, संगठन अभिकल्प।

इकाई तीन : **केस अध्ययन :** केस अध्ययन का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य विस्तार तथा सिद्धान्त। केस अध्ययन विरुद्ध (बनाम) केस कार्य, केस अध्ययन की वैज्ञानिक वैधता, केस अध्ययन के सोपान, केस अध्ययन का विश्लेषण।

इकाई चार : **आंकड़ों का प्रेक्षण :** अर्थ परिभाषा, उद्देश्य तथा सर्वेक्षण का

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

विकास, सर्वेक्षण का विस्तार, सर्वेक्षण के इतिहास तथा विकास, सर्वेक्षण की योजना की व्यावहारिक समस्यायें, जुटाई जाने वाली जानकारी के ब्यौरे, जुटाने की विभिन्न विधियाँ प्रन्नुक्रिया के समाधान के प्रकार, की विधि पूर्व परीक्षण तथा मार्गदर्शी सर्वेक्षण, समस्याओं के समाधान के प्रकार प्रशासनिक संगठन, सूचीकरण, अनुसूची तथा प्रश्नावली तैयार करना, चयन तथा प्रशिक्षण और क्षेत्र, अन्वेषण का पर्यवेक्षण क्षेत्र कार्यकारी शुद्धता पर नियंत्रण अनुक्रिया की स्थिति में अनुवर्तन की व्यवस्था।

इकाई पाँच : सारणीकरण : आंकड़ों का विश्लेषण तथा निर्वचन, अनुसूचियों की समीक्षा तथा संपादन, आंकड़ों की अनुरूपता का परीक्षण, प्रति परीक्षण संकेतन तथा विसंकेतन। पंच कार्ड्स, सार्टर टेबुलेटर, कलेक्टर का उपयोग, अभिकलन की योजना पर सामान्य अभ्युक्तियाँ, विश्लेषण में सांख्यिकीय शुद्धता का नियंत्रण अनुसूचियों से सारणियों में आंकड़े प्रविष्ट करना सांख्यिकीय सारणियों का स्वरूप तथा विषयवस्तु, प्रतिवेदन करते समय आवश्यक मुद्दे।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा राजकोषीय नीति

इकाई एक : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धान्त : इसका स्वरूप तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त का संक्षिप्त इतिहास, तुलनात्मक लागतों का सिद्धान्त, अंतर्क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रूपरेखा, मार्शल का दृष्टिकोण, विकल्प (अवसर) लागत, आयात-निर्यात स्थिति, व्यापार से अभिलाभ।

इकाई दो : वाणिज्यिक नीति का सिद्धान्त टैरिफ तथा अन्य व्यापार, प्रतिबन्ध मुक्त व्यापार विरुद्ध (बनाम) संरक्षण, द्विपक्षीय विरुद्ध (बनाम) बहुपक्षीय, कर, अर्थ, सहायता, कोटा तथा लायसेन्स। व्यापार अधिमान्यता, व्यापार करार, सीमा शुल्क संघ अंतर्राष्ट्रीय उत्पादक संघ, जिंस करार, राज्य व्यापार नियोजित तथा मुक्त अर्थव्यवस्था के बीच व्यापारिक सम्बन्ध, मुक्त व्यापार और पूर्ण नियोजन, औद्योगिकरण तथा व्यापार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार टेरिफ एवं व्यापार सम्बन्धी सामान्य करार : गैट (जी.ए.टी.टी.) यूरोपीय साझा बाजार, (यूरोपीय कामन मार्केट) अंकटाड (यू.एन.सी.टी.ए.डी.)

इकाई तीन : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के मौद्रिक पहलू : विदेशी मुद्रा का तंत्र, अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों का माध्यम, भुगतान कोष तंत्र, विदेशी मुद्रा बाजार विनिमय की संतुलन दर, क्रय शक्ति, भुगतान समता तथा भुगतान कोष, विनिमय दरों के सिद्धान्त विनिमय नियंत्रण, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा नीति।

इकाई चार : अन्तर्राष्ट्रीय पूंजी संचलन-अंतरण तंत्र, मूल्य विनिमय आय प्रभाव तथा मल्टी पिलर प्रयोजन, जन संबंधी बाधाएं, अन्तर्राष्ट्रीय विनियोजन तथा विकास।

इकाई पांच : विश्व व्यापार तथा विनियोजन की वर्तमान में चालू समस्याएं, हाल ही के वर्षों में भारत का विदेशी व्यापार एवं विनियोजन विदेशी व्यापार आंकड़े।

Assistant Director/District Statistical Officer Written Examination Syllabus of Commerce (Optional) Paper-III

ADVANCED BUSINESS ECONOMICS

Unit I : Nature and subject matter of Economics, Classical and Modern view on the subject. Robbin's contribution and its critical estimate. Economics as a positive science, Normative Science, Applied Science and Art, problem of Economic terminology and ideology, Micro and Macro Economics, case of the reconstruction of economic science and relation of economics to business.

Unit II : The scope of Business Economics to problems of production, Laws of return and their casual and effectual significance, Theories of population-Malthusian theory, Optimum Theory and Biological Theory and their critical estimate and India's population problems.

Unit III : Theory of perfect competition, perfect and imperfect Markets, Determination of value and normal value Real cost and money cost, opportunity cost, Marshal's Representative firm and Pigou's Equilibrium firm and their implications in the theory of value, theory of Imperfect Competition, Business Cycles, Theories Business cycles and The problem of unified theory of business cycle.

Unit IV : Economic Welfare and National Dividend, relation between size and distribution of National dividend and economic welfare and National dividend and quantity of the people.

Unit V : Keynesian Theory of Employment, the concept of Mixed Economy and The problem of full employment.

INCOME TAX

Unit I : Detailed Study of Income Tax Act and rules with special reference to : Computation of Total Income under various heads and Set off and carry forward of losses.

Unit II : Assessment of Individuals, Hindu Undivided Families, Firms, Companies, representative and non residents.

Unit III : Income Tax authorities and their powers, assessment procedure.

Unit IV : Collection, Recovery and Refund, Appeals and Revision and Settlement commission and Computation of tax liability.

Unit V : Offences, prosecution and penalties, Acquisition of immovable property and Double Taxation relief's.

CORPORATION FINANCE

Unit I : Problems of promotion, Financial Plan : Meaning and Basic consideration, Theories of capitalization, Over and Under capitalization and Administration of Finance plan.

Unit II : Management of working capital, Nature and analysis of working capital, estimating the Requirement of working capital, financial planning, factors affecting working capital need, cash Receivables, Inventories, methods of financing working capital requirements, negotiation of loans with Bank and Financial Institutions.

Unit III : Management of long term capital, structure in Relation to ownership, control and Risk Vs. Equity, Negotiating of securities, valuation and investment of securities, Investment risks, assessment, Refunding and Recapitalization, Valuation of securities. Control of Capital issues in India, Capital expenditure, cost of capital, Investment management, Security Analysis and Market operations.

Unit IV : Management of profit, Retention of Earnings value and Depreciation consideration, dividend Policy Reserves Funds, Bonus shares problems of Expansion and Combination.

Unit V : Indian Capital Market, Banks, Insurance, Industrial Trusts, Finance Corporations, Governments and Stock Markets.

ORGANIZATION OF FINANCE OF INDUSTRIES

Unit I : Location and size of industrial Units a Theoretical discussion. Rationalization in Indian Industries and Problem of Industrial Productivity India.

Unit II : Industries in India Location distribution organization and finance, Management and Development of iron and steel, cotton textiles sugar and cement industries.

Unit III : Management of Industries in the private and public sectors, Managing Agency System and its abolition. Combination Movement in Indian Industries and Foreign participation in public enterprises in India.

Unit IV : **Financing of Industries –** A study of the nature and construction of various agencies of finance in India. Industrial and fiscal policy in India.

Unit V : Industrial labour present labour policy of the Government participation of Labour in industrial management in India and Problems of industrial planning in India.

BUSINESS STATISTICS

Unit I : Collection, analysis and interpretation of statistical data, Logarithmic curve and curves representing the Law of diminishing returns etc. based on statistics.

Unit II : Correlation and Regression.

Unit III : Association and Contingency, Graphic algebraically and other methods of interpolation and extrapolation and construction of Index numbers.

Unit IV : Analysis of time series, forecasting of economic fluctuations – A phenomena. Methods of measuring and forecasting of population growth. The theory of probability – elementary standard error normal curve and error, difference of samples and means of large samples of variables.

Unit V : Importance of statistics in India. Availability and adequacy of Statistics in India. Need for More intensive and extensive investigation in India. Government Statistical Organization in India Study of published Indian Statistics relating to population, Production (Agriculture and Industry), Price, wages, trade, transport national sample Income survey and indicators of Industrial Production.

LABOUR ORGANIZATION AND SOCIAL WELFARE

Unit I : British labour movement workers organizational structure, functions and Government, Industrial peace conciliation and arbitration.

Unit II : Indian Labour, Village background contact and influence, recruitment, conditions, security promotions, employment exchange, Manpower. Budget provision for technical and Educational Training.

Unit III : Methods of remuneration Wages – Fluctuations Since the great depression of 1929-33 in Major Indian industries, the principles of fixation of minimum wages and standardization of wages and their application in the major industries, principles of Bonus and dearness allowances.

Unit IV : Trade Unions – Characteristics, history, future, industrial peace works committees. Machinery for reconciliation, arbitration and Adjudication.

Unit V : Town Planning – housing, village settlement, building, Regulation and statistical bureau, Organization of welfare activities and social security, International Labour Organization Constitution and Functions.

RESEARCH METHODOLOGY AND SURVEY

Unit I : Scope and definition : Research concept, types of research techniques and tools, validity, Research designs, mental and Inter disciplinary researches. Experimental research project. Research as tool of Economic policy, scientific Methods and Techniques. Nature of Science Enquiry, Meaning and definition of the physical, Biological and Social Sciences. The Scientific method. The Meaning and definition of Scientific Method, the basic methods of science induction and deduction, analogy and historical methods, cash method, Statistical method, Expert mental method and other methods, Selection of the problem of Research, need oriented research, problem oriented research and priority and Research method.

Unit II : **Selection of the problems of Research –** An operational approach. Formulating the problem, development of working hypotheses. Planning of the study, collecting and processing the data analysis and interpretation of presentation of results.
Research design and analysis : Introduction, Meaning of Research design, need for research design, principle of minimum essentials for research design, steps in and component of research design and organization of design.

Unit III : **Case study :** Meaning, definition, objection, objectives Scope and principles of case study, case study v/s case work, Scientific validity of case studies, steps in case studies and analysis of case study.

Unit IV : **Data observation :** Meaning, definition, objectives and scope of content, analysis procedure for analysis, Survey : Design, meaning, definition, objective and development of survey, scope of survey, history and development of survey, practical problems arising in planning of a survey, details of information to be collected. Various methods of selecting information, methods of dealing with non response pre-tests and pilot survey types of problems, Administrative organization, Listing, construction of a schedule and a questionnaire and Selection and training and supervision of field investigation for follow up in case of non response.

Unit V : Tabulation Analysis and interpretation of Data, Scrutiny and editing of the schedules, checking consistencies of data, Cross checks, coding and decoding, The use of punch cads, Sorter, Tabulator and Collector, General remarks on the planning of computation, control of numerical accuracy in analysis, posting of data from schedule to tables, the form and content of statistical tables and points in drafting of reports.

INTERNATIONAL TRADE AND FISCAL POLICY

Unit I : Theory of International Trade : Its nature and necessity, brief history of the theory of International trade the theory of comparative costs, Outline theory of inter-regional and international trade, Marshall's approach. The opportunity cost, Terms of Trade and Gains from trade.

Unit II : Theory of Commercial Policy : Tariffs and other trade restriction, free Trade Vs. Protection Bilateralism V/s Multi-literalism taxes, subsidies quotas and licenses, Trade preference Trade agreements, Customs union, international cartels, commodity agreements, State Trading, Trade relations between planned and free economic trade

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

full employment, Industrialization and International Trade Organization, G.A.T.T. European common market and UNCTAD.

Unit III : Monetary Aspects of International, Trade Mechanism of foreign exchange, medium of international payment, balance of Payments mechanism, the foreign exchange market, equilibrium rate of exchange, purchasing power parity and balance of payments, theories of exchange rates, Exchange control and International Monetary Fund (IMF).

Unit IV : International Capital Movement – Transfer mechanism, price exchange, income affects and multiplier obstacles of Movements, International investments and developments.

Unit V : Current problem of world trade and Investments. India's foreign trade and investments during recent years and foreign trade statistics.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी
लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम - सांख्यिकी

पूर्णांक - 200

प्रश्नपत्र-तृतीय (ऐच्छिक)

प्रायिकता सिद्धान्त - प्रायिकता की परिभाषाएं, यादृच्छिक प्रयोग, प्रतिदर्श समष्टि, घटना, सप्रतिबंध प्रायिकता, घटनाओं की अनाश्रितता, बेज प्रमेय एवं उसका अनुप्रयोग, यादृच्छिक चर एवं उनकी परिभाषाएं, आघूर्ण, जनक फलन, अभिलक्षण फलन, प्रतिलोमन प्रमेय, असंतत एक समान, द्विपद, प्वासो, हाय-पर-ज्यामैट्रिक, ऋणात्मक द्विपद, ज्यामितीय बंटन। संतत एकचर बंटन : एक समान, प्रसामान्य, कॉशी, लाप्लास, चरघातांकी, काई वर्ग, गामा एवं बीटा बंटन। शेविशेफ असमिका, द्विचर बंटन सप्रतिबंधित एवं उपान्त बंटन, द्विचर प्रसामान्य बंटन। बंटन में अभिसरण, प्रायिकता में अभिसरण एवं निश्चितप्राय अभिसरण। बृहत संख्याओं का दुर्बल एवं सबल नियम, बोरेल-केंटेली प्रमेयिका, केन्द्रीय सीमा प्रमेय (डी. मोइवर लाप्लास), लिंडबर्ग-लेबी, लियापनाफ, लिंडबर्ग-फेलर)। क्रम प्रतिदर्शज r^{th} क्रम प्रतिदर्शज, माध्यिका एवं परास का बंटन। यादृच्छिक प्रतिदर्शज, प्राचल एवं प्रतिदर्शज की अवधारणा Z काई वर्ग t एवं F प्रतिदर्शज एवं उनके अनुप्रयोग। अनुपातों के लिए वृहद प्रतिदर्श परीक्षण।

सांख्यिकीय अनुमिति : आकलन : आकलों की संगति अनभिनतता, पर्याप्तता, दक्षता एवं सम्पूर्णता। गुणनखंडन प्रमेय, राव ब्लेकवेल एवं लेहमन शेफे का प्रमेय, क्रामर-राव असमिका। आकलन की विधियाँ : अधिकतम संभाविता, आघूर्ण, न्यूनतम इकाई वर्ग विधि एवं न्यूनतम वर्ग विधि। अंतराल आकलन। परिकल्पना परीक्षण : दो प्रकार की त्रुटियाँ, सार्थकता-स्तर, नेमेने पियर्सन की मूलभूत प्रमेयिका, यादृच्छिकृत एवं अयादृच्छिकृत परीक्षण। अनभिनत एवं समरूप परीक्षण। संभाविता अनुपात परीक्षण।

बहुचर विश्लेषण : बहुचर प्रसामान्य बंटन, सप्रतिबंधित एवं उपान्त बंटन। माध्य सदिश एवं सहप्रसरण आव्यूह। बहु रेखीय समाश्रयण, बहु एवं आंशिक सहसंबंध, विशार्ट का बंटन, होटलिंग T^2 महानलवीस D^2 प्रतिदर्शज एवं उनके अनुप्रयोग।

अप्राचलिक परीक्षण : एकल एवं द्विचर बंटनों के लिए चिन्ह परीक्षण, विल्काक्सन-मान विटने का परीक्षण, परम्परा परीक्षण, माध्यिका परीक्षण, कालमोगोरोव-स्मिरनाफ परीक्षण, आसंजन सुष्ठता का काई वर्ग परीक्षण, मूड का परीक्षण क्रुशकल वालिस का परीक्षण, स्पियरमेन का कोटि सह सम्बंध परीक्षण।

प्रतिदर्श सर्वेक्षण : समष्टि एवं प्रतिदर्श की संकल्पनाएँ, प्रतिचयन की आवश्यकता, पूर्ण गणना एवं प्रतिदर्श सर्वेक्षण, आंकड़ों का संग्रहण एवं सूक्ष्म जांच। प्राथमिक एवं द्वितीय आंकड़े। प्रश्नावली एवं अनुसूची की रचना, प्राथमिक आंकड़ों के संग्रहण की विधियाँ। द्वितीयक आंकड़ों के संग्रहण के स्त्रोत, पूर्ण गणना, प्रतिदर्श आमाप का निर्धारण। चरों एवं गुणों के लिए सरल यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन, क्रमबद्ध प्रतिचयन, बहुचरणी प्रतिचयन, गुच्छ प्रतिचयन, नियत मात्रात्मक प्रतिचयन, सविवेक प्रतिचयन, अनुपात एवं समाश्रयण आकल, प्रतिचयन एवं अप्रतिचयन त्रुटियाँ।

प्रयोग अभिकल्पनाएँ : एकधा एवं द्विधा वर्गीकरण के लिए प्रसरण विश्लेषण (एक कोटि में एक प्रेक्षण) प्रयोग अभिकल्पना के मूलभूत सिद्धान्त। मौलिक अभिकल्पनाएं। CRD, RBD, LSD एवं उनके विश्लेषण। बहुउपादानी अभिकल्पनाएं- $2^n(n\leq4)$ मुख्य प्रभाव, अन्योन्य क्रिया प्रभाव एवं 2^3 अभिकल्पना में संकरण (पूर्ण संकरण)।

सांख्यिकीय गुणता नियंत्रण : प्रकम एवं उत्पाद नियंत्रण संचित्र, 3S-नियंत्रण सीमाएं, सीमाएं। चरों के नियंत्रण- सचित्र, $\bar{\ }$ एवं R संचित्र, S-संचित्र। गुणों के लिए नियंत्रण सचित्र, P संचित्र, np संचित्र, d संचित्र, c संचित्र, चल आमाप प्रतिदर्शों के लिए c संचित्र। प्राकृतिक सहन सीमाएं एवं विनिर्दिष्ट सीमाएं। गुणों के अनुसार स्वीकरण प्रतिचयन विधि।

AQL, LTPD, AOQ, AOQL, O.C. वक्र A.S.N. एकल प्रतिचयन आयोजना, द्विशः प्रतिचयन आयोजना अनुक्रमित प्रतिचयन, अनुक्रमित प्रायिकता अनुपात परीक्षण।

मांग विश्लेषण : मांग की मूल्य लोच, मांग की आंशिक लोच, लियोन्टिफ की विधि, पिगो की विधि (काल श्रेणी आंकड़ों से), पिगो की विधि (पारिवारिक बजट आंकड़ों से) एंजिल के वक्र एवं एंजिल के नियम, आय बंटन के पेरेटो नियम, सांद्रण के वक्र, उपयोगिता फलन।

जनसांख्यिकी :- जन्म-मरण सांख्यिकी के उपयोग। जन्म-मरण आंकड़ों के प्राप्त करने की विधियाँ। जनसंख्या मापन। जन्म-मरण घटनाओं की दर एवं अनुपात। मर्त्यता की माप, अशोधित मृत्यु दर, विशिष्ट, मृत्यु दर, मानकीकृत मृत्युदर, मर्त्यता सारणी। अथवा वय-सारिणी। स्थावर जनसंख्या। स्थायी जनसंख्या। मर्त्यता की तीव्रता वय-सारणी की रचना। संक्षिप्त- वय-सारणी, रीड मेरल विधि, ग्रेविल की विधि, किंग की विधि। उर्वरता, अशोधित जन्म दर, सामान्य उर्वरता दर, विशिष्ट उर्वरता दर, सकल उर्वरता दर। जनसंख्या वृद्धि का मापन, सकल जनन दर, नेट प्रजनन दर।

Assistant Director/District Statistical Officer
Written Examination
Syllabus of Statistics

Max.M. 200

Paper-III (Optional)

Probability Theory – Definitions of Probability, Random experiment, Sample space, event, conditional probability, independence of events, Baye's theorem and its applications. Random variables and their definitions. Moments, moment generating function, characteristic function, inversion theorem. Discrete uniform, binomial, Poisson, Hypergeometric, Negative binomial and Geometric distributions. Continuous univariate distributions; Uniform, normal, Cauchy, Laplace, Exponential, Chi-square, Gamma and Beta distributions. Chebyshev's inequality. Bivariate distribution, conditional and marginal distributions. Bivariate normal distribution. Convergence in distribution, convergence in probability and convergence almost sure. Weak and Strong Law of Large Numbers, Borel-Cantelli lemma, Central limit theorems (De-Moivre Laplace, Lindeberg-Levy, Liapounoff's, Lindeberg-Feller). Order Statistics. Distribution of r-th order statistic, median and range. Concepts of random sample, parameter and statistic. Z, Chi-square, t and F statistics and their applications. Large sample tests for proportions.

Statistical Inference – Estimation : Consistency, unbiased ness, sufficiency, efficiency and completeness of estimators. Factorization theorem, Rao-Blackwell and Lehman-Scheff theorems. Cramer-Rao inequality. Methods of estimation : Maximum likelihood, moments, method of minimum Chi-square and method of least squares. Interval estimation. Testing of Hypothesis : Two types of errors, level of significance, Neyman-Pearson fundamental lemma. Randomized and nonrandomized tests. Unbiased and similar tests. Likelihood ratio test.

Multivariate Analysis : Multivariate normal distribution, conditional and marginal distributions, Estimation of mean vector and Covariance matrix, Multiple linear regression, multiple and partial correlations. Wishart distribution, Hotelling T^2 and Mahalnobis D^2 statistics and their applications.

Non-parametric tests : Sign test for univariate and bivariate distributions, Wilcoxon-Man Whitney test, Rum test, Median test, Kolmogorov-Smirnov tests, Chi-square test of goodness of fit. Mood's test. Kruskall-Wallis test. Spearman's rank correlation test.

Sample Surveys : Concepts of population and Sample, need for sampling, Census and sample survey, Collection and scrutiny of data. Primary and secondary data, designing a questionnaire and a schedule, methods of collecting primary data. Sources of collecting secondary data. Complete enumeration. Determination of sample size. Simple random sampling for variables and attributes, Stratified random sampling, Systematic sampling, Multi-stage sampling, cluster sampling, Quota sampling, Judgment sampling, Ratio and regression estimates. Sampling and non-sampling errors.

Design of Experiments : Analysis of variance for one way and two way classifications (with one observation per cell) Fundamental principles of experimental design. Basic designs – CRD, RBD, LSD and their analysis. Factorial – 2^n ($n \leq 4$) designs, Main effects and interaction effects and confounding in 2^3 design (complete confounding).

Index Numbers : Applications of index numbers, price relatives and quantity or volume relatives of index numbers, use of averages, simple aggregative and weighted aggregative methods. Laspeyre's, Paasche's and Fisher's Ideal index numbers, time and factor reversal tests of index numbers. Consumer price index. Cost of living index number.

Time Series Analysis : Economic time series, its different components, additive and multiplicative models, determination of trend, growth curves, analysis of seasonal fluctuations, construction of seasonal indices. Measurement of Cyclic movement, Auto-regressive Series. Auto-correlation and correlogram. Variate difference method.

Statistical Quality Control : Process & Product control, Control Charts, 3-S Control Limits, Control charts for variables: $\bar{\ }$ and R charts, S-chart. Control Charts for attributes : p-charts, np-chart, d-chart, c-chart for variable sample size. Natural Tolerance limits and specification limits, Acceptance Sampling by attributes, A.Q.L., L.T.P.D., A.O.Q., A.O.Q.L., O.C. Curve, A.S.N. Single sampling plan, Double sampling plan. Sequential sampling. Sequential probability ratio test.

Demand Analysis : Price Elasticity of demand, Partial elasticity of demand, Leontief's method, Pigou's method (from time series data), Pigou's method (from Family Budget Data), Engel's Curve and Engel's law, Pareto's Laws of Income distribution, Curves of Concentration, Utility function.

Demography : Uses of Vital Statistics, Methods of obtaining Vital statistics. Measurement of Population. Rates and Ratios of Vital events. Measurements of Mortality, Crude Death rate, Specific Death rate, Standardized death rates, Mortality Table or Life Table, Stationary population, Stable population, Force of Mortality, construction or life table, Abridged life table, Reed-Merrel method, Greville's method, King's method, Fertility, Crude Birth rate, General Fertility rate. Specific Fertility rate, Total Fertility rate. Measurement of Population growth, Gross reproduction rate, Net Reproduction Rate.

सहायक संचालक/जिला सांख्यिकी अधिकारी
लिखित परीक्षा पाठ्यक्रम - गणित

प्रश्नपत्र-तृतीय (ऐच्छिक)

खण्ड अ

इकाई-1

प्रगत आमूर्त बीजगणित तथा रैखिक बीज गणित

समूह स्वाकारिता, आंतर स्वाकारिताण स्वसमाकारिता समूह, संयुग्मी संबंध तथा सेंट्रलाईजर, प्रसामान्य कारक गणन सिद्धान्त और परिमित आबेली समूह तथा अनआबेली समूह के जाति समीकरण। उपसमूहों का सीधा गुणा, क्रम विनिमयक उपसमूह, अभिलक्षण उपसमूह, सामान्य एवं उपसामान्य श्रेणी, मुख्य श्रेणी, संयोजित श्रेणी।

साधनीय समूह, साधनीय श्रेणी, शून्यभावी समूह (शून्यक समूह), आइडियल्स तथा विभाग वलय, विभाग क्षेत्र और पूर्णांकीय प्रान्त, यूक्लीडीय वलय, विस्तार क्षेत्र, बीजीय एवं अबीजीय विस्तार, पृथक कारी तथा अपृथककारी विस्तार, प्रसामान्य विस्तार, पूर्ण क्षेत्र, परिमित (सांत) क्षेत्र, विस्तारों की स्वाकारिता, ग्रेलओज विस्तार, ग्रेलओज थ्योरी (सिद्धान्त) का मूल, प्रमेय, बहुपदीय समीकरणों का मूलकों द्वारा हल। प्रतिरूपक, उप-प्रतिरूपक, विभाग प्रतिरूपक, इनकी परिभाषाएँ तथा प्रगुण। समरूपता और समाकारिता। चक्रीय प्रतिरूपक, सरल प्रतिरूपक, स्युर की प्रमेयिका, स्वतंत्र प्रतिरूपक।

रैखिक समष्टियाँ और उपसमष्टियाँ आधार और विमाएं, परिमित विमा रेखिक समिष्टियाँ, आधार का अस्तित्व प्रमेय, उपसमिष्टियों के योग की विमा, विभाग समष्टि, रैखिक रूपान्तरण एवं उनका आव्यूहों के रूप में निरूपण। रैखिक रूपान्तरण का बीजगणित, अनुकोण रूप, जाति तथा शून्यता प्रमेय, आधार परिवर्तन, रेखिक रूपान्तरण के आइगन मान तथा आइगन सदिश, विकर्णीकरण द्विएकघाती, द्विघाती तथा हर्मिशियन रूप, अन्तर गुणन, समष्टियाँ, कोशी-श्वार्ज, असमिकाएँ लांबिक पूरक, परिमित विमीय समिष्टि के लिए बेसेल असमिका, ग्राह्म श्मिट लाम्बीकरण विधि।

इकाई - 2

प्रगत कालन

दो तथा दो से अधिक चरों के फलन, उनकी सीमाएँ एवं सांतत्वता, अवकलनीय फलन, दो पदों के फलनों के लिए माध्यमान प्रमेय एवं उनका ज्यामितीय निरूपण, अवकलनों का डार्बु (डारबक्स) का मध्यमान प्रमेय, आंशिक अवकलन।

चरों का परिवर्तन, समघातीय फलन, आयलर का प्रमेय, उच्च अवकलन, अस्पष्ट फलन, दिक् अवकलज, जेकोबियन, दो चरों के फलनों के लिए टेलर प्रयेम, दो और तीन चरों के फलनों के उच्चिष्ठ एवं निम्निष्ठ मान, नतिपरिवर्तन बिन्दु, रीमान एवं लिबेग स्टिलजे समाकल : परिभाषा तथा प्रगुण। स्टिलजे समाकलों का अस्तित्व, बहुसमाकल, समाकलों में क्रम परिवर्तन, बहुसमाकलों का अनुप्रयोग, अनन्त समाकल, अनन्त समाकलों की अभिसरण, अनन्त समाकलों का निरपेक्ष तथा प्रतिबंधी अभिसरण, समाकलों का एक समान अभिसरण। समाकलनीय असमिकाएँ-श्वाट्‌र्ज, होल्डर और मीनकोओस्की बीटा और गामा फलन तथा उनके प्रगुण निश्चित समाकल, पृष्ठीय तथा आयतन समाकल।

इकाई - 3

अवकल समीकरण

प्रथम एवं द्विकोटि के आंशिक अवकल समीकरण लाग्राज हल, चार्पिट विधि, मोंगीस विधि द्विकोटि के रैखिक (सकघातीय) आंशिक समीकरणों का वर्गीकरण चर गुणांकों वाले रैखिक अवकल समीकरण, एकल समाकलनीय समीकरण, बेसेल लेजान्ड्र समीकरण, बेसेल लेजान्ड फलन एवं उनके प्रगुण, अवकलनों तथा समाकलनों के लाप्लास प्रतिरूप, विस्थापन प्रमेय, श्रेणीबद्ध समाकलन, लाप्लास रूपान्तरों का प्रतिलोम, संवलन प्रमेय,

अवकलन तथा समाकलन रूपान्तर, अचर गुणांकों वाले अवकल समीकरणों के हल में लाप्लास रूपान्तरों का अनुप्रयोग।

पूर्ण समाकल, अन्वालोप, प्रारम्भिक मान समस्या तथा समतुल्य समाकल समीकरण।

मूल प्रमेय - असकोली - अरजेला प्रमेय, प्रारम्भिक मान समस्या कुल के हलों के अभिसरण का प्रमेय।

पिकार्ड - लिन्डलाफ प्रमेय - प्यानो का अस्तित्व, प्रमेय तथा उपप्रमेय

रेखिक - द्वि कोटि समीकरण - प्रारम्भिकाएँ, मूल तथ्य, स्टर्मका प्रमेय, स्टर्म लिओवेले सीमान्त मान समस्याएँ, शून्यों की संख्या, अदोलनी समीकरण एवं मुख्य हल, अदोलनी प्रमेय।

अस्पष्ट फलनों का उपयोग तथा स्थिर विन्दु प्रमेय - आवर्ती हल, रैखिक समीकरण, अरेखिक समस्याएं।

द्विकोटि सीमान्त मान समस्याएं - अरैखिक समस्याएं, रैखिक समस्याएं

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

इकाई - 4

ऑपरेशन रीसर्च

रैखिक प्रबन्धन, सिम्पलेक्स विधि, बिग-एम विधि, रैखिक प्रबन्धन समस्याएं अपभ्रष्टता तथा चक्रीयता, द्विप्रावस्था विधि, रैखिक प्रबन्धन समस्याओं की द्वेतता, परिवर्ती सिम्पलेक्स विधि, द्वैत, सिम्पलेक्स विधि, गति की प्रबन्धन समस्याएं एवं उनके हल, अरैखिक प्रबन्धन समस्याएं, खेल सिद्धान्त।

परिवहन समस्याएं, असाइन्मेन्ट, इन्वेन्टरी प्रबन्धन तथा प्रतिस्थापन समस्याएं, नेटवर्क विश्लेषण, नेटवर्क में प्रतिबंध, नेटवर्क की रचना।

सी.पी.एम., पर्ट तथा पर्ट गणनाएँ।

खण्ड - ब

इकाई - 1

संस्थिति विज्ञान

गणनीय एवं अगणनीय समुच्चय, अनन्त समुच्चय, वरण-अभिग्रहित, जार्न-प्रमेयिका, सुक्रमण प्रमेय, सांस्थितिक समष्टि की परिभाषा तथा उदाहरण, विवृत एवं संवृत समुच्चय, संवरक, सघन उप समुच्चय, प्रतिवेश, आंतरिक, बाह्य एवं परिसीमा, पुंज बिन्दु तथा व्युत्पन्न समुच्चय, आधार तथा उप-आधार, उपसमष्टि तथा सापेक्ष संस्थितियाँ, संवरण संकारक तथा प्रतिवेश निकाय के पदों में संस्थितियों की प्रत्यावर्ती परिभाषाएं।

संतत फलन, तथा तद्वता, प्रथम एवं द्वितीय गणनीय समष्टियाँ, लिंडलॉफ प्रमेय, गणनीय सघन समष्टियाँ, द्वितीय गणनीयता तथा गणनीय सघनता, प्रथक्करण अभिग्रहीतियाँ - To, T_1, T_2, T_3 तथा T_4 - उनके लाक्षणिक निर्धारण तथा आधारभूत प्रगुण।

संबद्ध समष्टियाँ, वास्तविक सरल रेखा पर संबद्धता, स्थानतः सम्बद्ध समष्टियाँ, संहतता, संतत फलन एवं संहतता, संहतता के आधार भूत प्रगुण, अनुक्रमिक तथा गणनीय संहतता।

मानक उप-आधार के पदों में तिरवनोव गुणन संस्थिति और उसका लाक्षणिक निर्धारण, प्रथक्करण, अभिग्रहीतियाँ एवं गुणन समष्टियाँ, संबद्धता एवं गुणन समष्टियाँ, संहतता एवं गुणन समष्टियाँ।

इकाई - 2

फलनक-विश्लेषण

मानकित रैखिक समष्ठि, बानाक, समष्टियाँ तथा उनके उदाहरण, मानकित रैखिक समष्टि की विभाग समिष्टि तथा उसकी पूर्णता, तुल्य मानक, रीज़-प्रमेयिका, परिमित विमीय मानकित रैखिक समष्टि के मूल प्रगुण तथा संहतता, मंद अभिसरण तथा परिबद्ध रैखिक रूपान्तरण, द्वैत समष्टि तथा उदाहरण।

एक समान संबद्धता-प्रमेय और उसके कुछ परिणाम विवृत परिचित्रण तथा संवृत आलेख प्रमेय, वास्तविक रैखिक समष्टियों के लिए हॉन-बनाक प्रमेय, समिश्र रैखिक समष्टियाँ तथा मानकित रैखिक समष्टियाँ, स्वतुल्य समष्टियाँ, मंद अनुक्रमिय संहतता, संहत संकारक, बानाक समष्टियों में एक घातीय समीकरणों की साधन योग्यता, संवृत परिसर प्रमेय।

आंतरिक गुणन समष्टियाँ, हिलबर्ट समष्टियाँ, प्रसामान्य लाम्बिक समुच्चय, बेसल-असमिका, पूर्ण प्रसामान्य लांबिक समुच्चय और पर्सेवाल-तत्समक, हिलबर्ट समष्टियों की संरचना, प्रक्षेप-प्रमेय, रीज़ निरूपण प्रमेय।

इकाई - 3

गणितीय विश्लेषण

रीमॉन समाकल की परिभाषा तथा विद्यमानता, रीमॉन-स्टेलजी समाकल, इन समाकलनों के प्रगुण तथा संबंधित प्रमेय, कलन का मूल प्रमेय, सदिश-मान फलनों का समाकलन, परिबद्ध एवं अपरिबद्ध फलनों के लेबेग समाकल, परिबद्ध अभिसरण, रीमॉन तथा लेबेग समाकलों की तुलना, श्वार्ज़ तथा यंग के प्रमेय, फूरिये श्रेणी तथा समाकल।

प्राचल फलन के रूप में समाकल, प्राचल फलन के रूप में समाकल की संतता, अवकलनीयता तथा समाकलनीयता।

दूरीक समष्टियाँ तथा उपसमष्टियाँ, कौशी-अनुक्रम, पूर्णता, केन्टर का सर्वनिष्ट प्रमेय, संकुचन सिद्धान्त, सघन समष्टियाँ, बेयर-संवर्ग प्रमेय, प्रथक्करणीय समष्टियाँ, द्वितीय तथा प्रथम गणनीय समष्टियाँ, संतत फलन, विस्तृति-प्रमेय, एकसमान संततता, संहतता, अनुक्रमीय संहतता, संपूर्णतया परिबद्ध समष्टियाँ, परिमित सर्वनिष्ट प्रगुण, संतत फलन और संहतता, संबद्धता।

सम्मिश्र संख्याएँ, कौशी-रीमॉन समीकरण, हार्मोनिक फलन, मोबियस रूपान्तरण, सम्मिश्र समाकल, कौशी-समाकल-सूत्र, उच्चतर कोटि के अवकलन, मोरेरा-प्रमेय, कौशी-असमिका और ल्यूविल-प्रमेय, बीजगणित का मूल प्रमेय, टेलर-प्रमेय, महत्तम मापांक सिद्धांत, श्वार्ज़-प्रमेयिका लौराँ-श्रेणी अनंतकी फलन।

अवशेष, कौशी अवशेष प्रमेय, समाकलों का मूल्यांकन, argz, logz तथा z^n पर विशिष्ट निर्देशों सहित बहुमान फलनों की शाखाएँ, द्विएकैकी रूपान्तरण और उनके प्रगुण, अनुकोण परिचित्रण की परिभाषा तथा उदाहरण, विश्लेषिक फलनों की समष्टियाँ। वीयसट्रास की गुणन खंडन प्रमेय, गामा फलन तथा उसके प्रगुण, मिटाग-लेफलर-प्रमेय, विश्लेषिक संतति, विश्लेषिक संतति की घात श्रेणी विधि, समाकल फलनों का प्रसार, अनंत गुणन, अवशेष कलन विधि से श्रेणियों का संकलन।

इकाई - 4

माप-सिद्धांत

वलय तथा अन्तराल पर माप, मापों के प्रगुण, मेय तथा अमेय समुच्चय, बाह्य माप, माप की विस्तृति, विस्तृति की अद्वितीयता, माप की पूर्ति तथा सन्निकटन, आंतरिक माप, लेबेग-माप, मेय समष्टियाँ, मेय फलन, मेय फलनों के अनुक्रम, बिन्दुशः अभिसरण, माप में अभिसरण, समाकलनीय फलन, समाकलनीय फलनों के अनुक्रम तथा उनके प्रगुण, गुणन समष्टियाँ, गुणन माप, फुबिनि-प्रमेय, परिमित तथा अपरिमित विमाओं वाली गुणन-समष्टियाँ, बोरल तथा हार-माप-उनकी विद्यमानता तथा अद्वितीयता, मेय समूह।

Assistant Director/District Statistical Officer Written Examination

Syllabus of Mathematics

Paper-III (Optional)

SECTION-A

UNIT-I

ADVANCED ABSTRACT-ALGEBRA AND LINEAR ALGEBRA

Group Automorphism, Inner Automorphism, Automorphism group, conjugacy relation and Centralizer, Normalizar, Counting principle and class equation of finite abelian group and non abelian group.

Direct product of subgroups, Commutator subgroups, Characteristic subgroups, Normal and subnormal series, Principal series, Composition series.

Solvable groups, Solvable series, Nil potent groups, Ideals and Quotient rings, Field of quotients and Integral domain, Euclidian rings, Extension, fields, Algebraic and transcendental extensions, Separable and inseparable extensions, Normal extensions, Perfect fields, Finite fields, Automorphism of extensions, Galois extensions, Fundamental theorem of Galois theory, Solution of polynomial equations by radicals. Modules, Sub modules, Quotient modules, Definition and properties of these Homomorphism and Isomorphism, Cyclic modules, Simple modules, Schur's Lemma, Free modules.

Linear spaces and subspaces, Bases and dimension, Finite dimension linear spaces, Existence theorem of basis, Dimension of sums of subspaces, Quotient spaces.

Linear transformations and their representation as matrices, Algebra of linear transformations, Conformal forms, Rank and Nullity theorem, Change of basis, Eigen values and eigen vectors of linear transformation, Diagonalisation, Bilinear, Quadratic and Hermitian forms. Inner product spaces, Cauchy-Schwarz inequality, Orthogonal vectors, orthogonal complements, Bessel's inequality for finite dimensional spaces, Gram-Schmidt orthogonalisation process.

UNIT-II

ADVANCED CALCULUS

Functions of two and more variables and their limits and continuity, Derivable functions, Mean value theorem for functions of two variables and their geometrical representation, Dar-boux's intermediate value theorem for derivatives, Partial differentiation, Change of variables, Homogeneous functions, Euler's theorem, Higher derivatives, Implicit functions. Directional derivatives, Jacobians, Taylor's theorem for the functions of two variables, Maxima and minima of functions of two and three variables, Points of inflection.

Riemonn and Lebesgue Stieltjes integrals- Definition and properties, Existence of Stieltjes integrals, Application of multiple integrals, Improper integrals, Convergence of improper integrals, Absolute and conditional convergence of improper integrals, Uniform convergence of integrals, Integral inequalities- Schwartz, Holder and Minkowski inequalities, Beta and Gamma Functions and their properties, Definite integrals, Surface and volume integrals.

UNIT-III

DIFFERENTIAL EQUATIONS

Partial differential equations of first and second order, Lagrange's solution, Charpit's method, Monge's method, Classification of linear partial differential equations of second order, Linear differential equations with variable coefficients, Non-linear partial diff. equations of first order, Total diff. Equations, Simultaneous diff. Equations, Single integrable equations, Bessel-Legendre equations, Bessel-Legendre functions and their properties, Laplace transforms for derivatives and integrals, Shifting theorem, Integration in series, Differentiation and Integration of transforms, Inverse Laplace transforms in solving diff. Equations with constant coefficients. Initial value problem and equivalent integral equation.

Basic Theorems-Ascoli-Arzela theorem. A theorem on convergence of solutions of a family of initial value problems. Picard-Lindel of theorem-Peano's existence theorem and corollary.

Linear second order equations-Preliminaries, Basic facts. Theorem of Sturm, Sturm-Liouvelle Boundary value problems. Number of Zeros. Non Oscillatory equations and principal solutions. Non oscillation theorems.

Use of implicit function and fixed point theorem-periodic solutions. Linear equations, Non linear problems. Second order Boundary value problems-Linear problems, Non linear problems.

UNIT-IV

OPERATIONS RESEARCH

Linear Programming, Simplex method, Big-M method, Degeneracy and cycling in L.P.P. Two phase method, Duality in L.P.P., Revised simplex method, Dual Simplex method.

Dynamic programming problems and their solutions, Non-linear programming problems, Game Theory.

Transportation problems, Assignment, Inventory management and Replacement problems, Network Analysis, Constraints in Network, Construction of Network CPM and PERT, PERT Calculations.

SECTION-B

UNIT-I

TOPOLOGY

Countable and uncountable sets, Infinite sets and axiom of choice, Zorn's lemma, Well-ordering theorem. Definition and examples of topological spaces, Open and Closed sets, Closure, Dense subsets, Neighbourhoods, Interior, Exterior and boundary, Accumulation point and derived sets, Bases and sub-bases, Subspaces and relative topologies. Alternate definitions of topologies in terms of closure operator and Neighbourhoods, systems.

Continuous functions and homomorphism, first and second countable spaces, Lindel-of's theorems, Separable spaces, Second countability and separability, Separation axioms, T_0, T_1, T_2, T_3, and T_4, their characterization and basic properties.

Connected spaces, Connectedness on the real line, Locally connected spaces, Compactness, Continuous functions and compactness, Basic properties of compactness, Sequentially and countably compactness.

Tychonoff product topology in terms of standard sub-base and its characterizations, Separation axioms and product spaces, connectedness and product spaces, compactness and product spaces.

UNIT-II

FUNCTIONALS ANALYSIS

Normed linear spaces, Branch Spaces and examples, Quotient space of normed linear space and its completeness, Equivalent norms, Riesz lemma, Basic properties of finite dimensional normed linear spaces and compactness, Weak convergence and bounded linear transformation, Dual spaces with examples.

Uniform boundedness theorem and some of its consequences, Open mapping and closed graph theorems, Hahn-Banach theorem for real linear spaces, complex linear spaces and normed linear spaces, Reflexive spaces, Weak sequential compactness, Compact operators, Solvability of linear equations in Banach spaces. The closed range theorem.

Inner product spaces, Hilbert spaces, Orthonormal sets, Bessel's inequality, Complete orthonormal sets and Parseval's identity, Structure of Hilbert spaces, Projection theorem, Riesz representation theorem.

UNIT-III

MATHEMATICAL ANALYSIS

Definition and existence of Riemann integral and Riemann-stieltjes integral, Properties of these integrals and related theorems, Fundamental theorem of calculus, Integration of vector valued functions, Lebesgue integral of bounded and unbounded functions, Bounded convergence, Comparison between Riemann and Lebesgue integrals, Schwarz's and Young's theorems, Fourier Series and Fourier integrals.

Integral as a function of parameter, Continuity differentiability and integrability of an integral function as parameter.

Metric spaces and subspaces, Cauchy sequences, Completeness, Cartor's intersection theorems, Contraction principles, Dense spaces, Baire's category theorem, Separable spaces, Second and first countable spaces, Continuous function, Extension theorem, Uniform continuity, Compactness, Sequential compactness, Totally bounded spaces, finite intersection property, Continuous functions and compact sets. Connectedness.

Complex numbers. Cauchy Riemann equations, Harmonic functions, Mobius transformation, Complex integration, Cauchy's integral formula, Higher order derivatives, Moreras theorem, Cauchy's inequality and Liouville's theorem, The Fundamental theorem of algebra, Taylor's theorem, Maximum modulus principle, Schwarz lemma, Laurent's series, Meromorphic functions.

Residues, Cauchy residue theorem, Evaluation of integrals Branches of many valued functions with special reference to argz, $\log^a$ and Z^a, Bilinear transformation and their properties, Definition and examples of conformal mappings, Spaces of analytic functions, Weierstrass' factorization theorem, Gamma functions and its proportions, Mittag-Leffler's theorem, analytic continuation, Power series method of analytic continuation, Expansion of integral functions, Infinite products, Summation of series with calculus of residues.

UNIT-IV

MEASURE THEORY

Measures on ring and intervals, Properties of measures, Measurable and non measurable sets, Outer measure, extension of a measure, uniqueness of extension, Completion and approximation of measure, Inner measure, Lebesgue measure, Measurable spaces. Measurable function, Sequences of measurable functions, Pointwise convergence, Convergence in measure, Integrable functions, Sequence of integrable functions and their properties, product spaces, product measure, Fubini's theorem, Finite and infinite dimensional product spaces. Borel and Haar measures and their existence and uniqueness measurable groups.

G-14590/1440/2009